■ वर्ष-23 ■ अंक-349
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00

भोपाल

■ रविवार ■ 19 जुलाई 2026

आषाढ़ शुक्ल पक्ष पंचमी
विक्रम संवत्-2083

E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

दैनिक
समय जगत

भोपाल, दिल्ली, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

वर्षों पुरानी परंपरा ने दिया भाईचारे का संदेश

दोलमुंडाई रथयात्रा में सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल, मुस्लिम समाज ने महाप्रभु को लगाया भोग

नई दिल्ली। ओडिशा के कटक में आयोजित दोलमुंडाई रथयात्रा के दौरान इस वर्ष भी सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक एकता की प्रेरणादायक मिसाल देखने को मिली। परंपरा के अनुसार जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ सेमिनरी चौक पहुंचे, तब स्थानीय मोहल्ला कमेटी और चांद क्लब से जुड़े मुस्लिम समुदाय के लोगों ने श्रद्धा और भक्ति के साथ महाप्रभु को भोग अर्पित किया। इस आयोजन ने एक बार फिर धार्मिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।

इससे पहले रथयात्रा की पारंपरिक छेरा पहंरा (स्वर्ण झाड़ू सेवा) की रस्म राजा ब्रज किशोर प्रधान ने संपन्न की। इसके बाद सेमिनरी चौक पर आयोजित विशेष भोग कार्यक्रम में मुस्लिम समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में सरदार मंसूर अली, मोहल्ला कमेटी के अध्यक्ष शेख रमजान अली, महासचिव शेख अरफान, शेख बंटी और शेख पिंटू सहित बड़ी संख्या में मुस्लिम श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समारोह में राज्यसभा सांसद देवाशीष सामंतराय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं कटक नगर निगम के मेयर सुभाष सिंह, बारबाटी-कटक विधायक सोफिया फिरदौस, पूर्व विधायक मोहम्मद मोकीम, पूर्व विधायक डॉ. प्रभात रंजन बिस्वाल, जिलाधिकारी दत्तात्रेय भाऊ साहेब शिंदे, डीसीपी खिलारी ऋषिकेश द्यानदेव, केएमसी आयुक्त किरणदीप कौर सहित कई गणमान्य लोगों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। रथयात्रा आयोजन समिति के अध्यक्ष रामकृष्ण हाथी, सचिव विक्रम छाटोई और अन्य पदाधिकारियों ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। श्रद्धालुओं ने कहा कि दोलमुंडाई रथयात्रा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, साझा संस्कृति और आपसी सद्भाव का प्रतीक भी है। वर्षों से चली आ रही यह परंपरा कटक की गंगा-जमुनी संस्कृति को मजबूत करते हुए समाज में एकता और भाईचारे का प्रेरणादायक संदेश देती आ रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मंत्रि-परिषद् बैठक और विधानसभा सत्र की तैयारियों की समीक्षा

19 जुलाई को ग्राम जगदीशपुर में होगी मंत्रि-परिषद् की बैठक

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में एक उच्च स्तरीय बैठक ली। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार, 19 जुलाई को भोपाल जिले के ग्राम जगदीशपुर के पुरातात्विक धरोहर स्थल में होने वाली मंत्रि-परिषद् की बैठक एवं सोमवार, 20 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के मानसून सत्र की तैयारियों की गहन समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंत्रि-परिषद् की बैठक में अनुमोदन के लिए लाये जाने वाले विधेयक प्रस्तावों की विस्तार से जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, अपर मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा एवं संसदीय कार्य अनुपम राजन, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन विभाग एवं संस्कृति शिवशेखर शुक्ला, अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे, अपर मुख्य सचिव वित्त मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सहित सचिव, अपर सचिव एवं उप सचिव स्तर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजधानी के बाहर हुई कैबिनेट बैठकों से प्रदेश के गौरवशाली व्यक्तित्व हुए सम्मानित

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि परिषद बैठकों के आयोजन के लिए नवाचार करते हुए प्रदेश के विभिन्न अंचलों में इन्हें करने की पहल की। जनकल्याण से जुड़े नीतिगत निर्णय सिर्फ मंत्रालय, भोपाल में ही नहीं प्रदेश के सुदूर अंचलों में भी लिए जाने लगे हैं। राजधानी भोपाल से लगे हुए प्राचीन महल और स्मारक वाले गांव जगदीशपुर में रविवार, 19 जुलाई को मंत्री परिषद की बैठक हो रही है। प्राचीन धरोहर को देखने समझने का भी यह एक अवसर है। प्रदेश की पुरा संपदा के प्रति आमजन की जानकारी में भी वृद्धि होती है और ऐसे स्थलों का महत्व भी बढ़ता है। महेश्वर, सिंगाजपुर और इंदौर का राजवाड़ा ऐसे ही स्थान हैं जहां कैबिनेट बैठक हुई और इन स्थानों के प्रति जनता की जिज्ञासा बढ़ी। यह भविष्य में पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में गत ढाई वर्ष में राजधानी भोपाल में होने वाली नियमित कैबिनेट बैठकों के अलावा अन्य स्थानों पर सात मंत्रि-परिषद बैठकों का नवाचार हुआ है। मध्य प्रदेश में किया गया ये नवाचार आम जनता द्वारा भी काफी सराहा गया है। भोपाल के साथ ही अब जबलपुर, दमोह, खरगोन, नर्मदापुरम, छतरपुर और बड़वानी जिलों में मंत्रि परिषद की बैठकों की कार्यवाही हो चुकी है। विश्व धरोहर स्थल खजुराहो जिला छतरपुर में हुई बैठक के साथ ही इन सभी बैठकों में जनकल्याण से जुड़े बहुआयामी निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामान्य कैबिनेट के साथ ही कृषि कैबिनेट भी प्रदेश के प्रत्येक अंचल में करने का निर्णय लिया है। उल्लेखनीय है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में भी कैबिनेट प्रस्तावित है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नए कीर्तिमान गढ़ रहा है देश: डॉ. यादव

समय जगत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचारों के साथ लगातार नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। इसी क्रम में शनिवार की सुबह स्काई रूट एयरोस्पेस द्वारा तैयार किए गए देश के पहले निजी प्रक्षेपण यान (लांच व्हीकल) विक्रम-1 का पहला ऑर्बिटल लांचिंग सफल रहा। यह उपलब्धि नए भारत के दृढ़ संकल्प, युवा वैज्ञानिकों के नवाचार और देश की आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सफलता वैश्विक अंतरिक्ष जगत में भारत की प्रतिष्ठा को और भी बढ़ाएगी। इस पहले प्रायवेट लांचिंग व्हीकल विक्रम-1 से ऑन डिमांड स्पेस लांचिंग सेवाओं को प्रोत्साहन मिलेगा।

दिल्ली पुलिस ने वांगचुक को भेजा अस्पताल

दीपके ने धरना- अनशन जारी रखने की कही बात

नई दिल्ली। देश की राजधानी में अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल पर बैठे प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को दिल्ली पुलिस द्वारा इलाज के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद प्रदर्शन स्थल पर तनाव बढ़ गया है। इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजनीतिक दल के संस्थापक और सामाजिक कार्यकर्ता अभिजीत दिपके ने आंदोलन को और तेज करने का एलान कर दिया है। प्रदर्शन स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए अभिजीत दिपके ने घोषणा की कि वे आज से ही अपना अनशन शुरू कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आगामी 20 जुलाई को प्रस्तावित मार्च अपने तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा और उनका यह अनशन लगातार जारी रहेगा। दिपके ने प्रशासन पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर अधिकारियों को लगता है कि सोनम वांगचुक को प्रदर्शन स्थल से हटाकर वे इस आंदोलन को खत्म कर देंगे, तो यह उनकी भूल है। यह आंदोलन किसी भी परिस्थिति में समाप्त नहीं होगा। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ और अन्य प्रदर्शनकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया। उन्हें सड़क पर घसीटा गया और जंतर-मंतर जाने से जबरन रोका गया। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों से दिल्ली आने वाले लोगों से अपील की कि वे इस आंदोलन का हिस्सा बनने के लिए जल्द से जल्द यहां पहुंचें। दिपके के अनुसार, कई विधायकों और सांसदों को भी गेट पर ही रोक दिया गया है और उन्हें अंदर आने की अनुमति नहीं दी जा रही है। दूसरी ओर, इस पूरे मामले पर कानून व्यवस्था संभाल रहे नई दिल्ली के पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने पुलिस का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए और सोनम वांगचुक की सेहत की स्थिति तथा डॉक्टरों की सख्त मेडिकल सलाह के आधार पर ही उन्हें आवश्यक इलाज के लिए एक उपयुक्त सरकारी अस्पताल में ले जाया गया है। इस समय वे पूरी तरह से डॉक्टरों की देखरेख में हैं और उनका उपचार चल रहा है।

चीन के चोंगकिंग में हुआ भीषण भूस्खलन

आठ की मौत, 34 हुए लापता

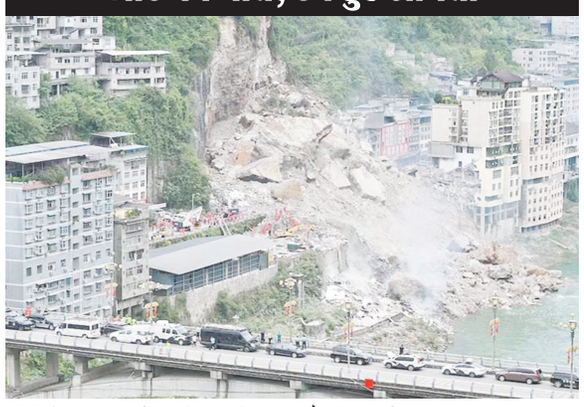

बीजिंग। चीन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में स्थित चोंगकिंग नगर पालिका में शुक्रवार को एक भीषण भूस्खलन की घटना हुई, जिसमें कम से कम 8 लोगों की मौत हो गई और 34 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9:10 बजे हुई इस त्रासदी में, पहाड़ी का एक बड़ा हिस्सा अचानक ढह गया, जिससे भारी चट्टानें और मलबा नीचे स्थित रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों पर आ गिरा। इस विनाशकारी घटना में कई मकान पूरी तरह से मलबे में दब गए और सड़कें भी अवरुद्ध हो गईं, जिससे तत्काल राहत कार्यों में बाधा आई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने बड़े पैमाने पर राहत व बचाव अभियान शुरू कर दिया। 800 से अधिक बचावकर्मियों, दमकलकर्मियों और आपदा विशेषज्ञों को मौके पर तैनात किया गया है, जो आधुनिक उपकरणों, खुदाई मशीनों और खोजी तकनीकों की मदद से मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं।चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, अब तक कुल 18 लोगों को मलबे से बाहर निकाला जा सका है। इनमें से आठ लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया, जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। प्रशासन ने बताया कि भूस्खलन वाले क्षेत्र की पहाड़ियां अत्यधिक खड़ी और अस्थिर हैं, जिससे बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि चट्टानों के और खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है, इसलिए बचाव अभियान बेहद सावधानी और धीरज के साथ चलाया जा रहा है। एहतियात के तौर पर, आसपास के लगभग 1,100 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रभावित क्षेत्र में बिजली, पानी और गैस की आपूर्ति भी अस्थायी रूप से बंद कर दी गई है, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। इस दुखद हादसे के बाद, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

दो विशाल ग्रहों पर होता है हीरों का निर्माण: वैज्ञानिक

लंदन। क्या कभी आपने ऐसे ग्रहों के बारे में सुना है, जहां आसमान से पानी नहीं बल्कि हीरों की बारिश होती है? वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे सौरमंडल के दो विशाल ग्रह, नेपच्यून और यूरेनस, ऐसे वातावरण और परिस्थितियां रखते हैं जहां प्राकृतिक रूप से हीरों का निर्माण होता है और वे ग्रह के भीतर नीचे की ओर गिरते हैं। इसी प्रक्रिया को सामान्य भाषा में 'हीरों की बारिश' कहा जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार नेपच्यून और यूरेनस दोनों ही पृथ्वी से कहीं बड़े गैसीय ग्रह हैं। नेपच्यून का आकार पृथ्वी से लगभग 15 गुना और यूरेनस का करीब 17 गुना बड़ा माना जाता है। इन दोनों ग्रहों के वातावरण में मीथेन गैस की मात्रा काफी अधिक है। मीथेन मुख्य रूप से कार्बन और हाइड्रोजन से मिलकर बनी होती है। ग्रहों के अंदर अत्यधिक दबाव और हजारों डिग्री तापमान के कारण मीथेन के अणु टूट जाते हैं और कार्बन तथा हाइड्रोजन अलग हो जाते हैं। इसके बाद कार्बन के कण अत्यधिक दबाव में संकुचित होकर हीरे का रूप ले लेते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये हीरे ग्रह के अंदर गहराई की ओर गिरते रहते हैं, जिसे हीरों की बारिश कहा जाता है। इस सिद्धांत की पुष्टि के लिए वैज्ञानिकों ने पृथ्वी पर प्रयोगशाला में विशेष परीक्षण किए।

मेक्सिको में 7.4 तीव्रता का आया भूकंप

मेक्सिको। बीते रोज 7.4 की तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया, जिसके तेज झटके पूरे देश और पड़ोसी क्षेत्रों में महसूस किए गए। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली संगठन ने इस भूकंप के बाद प्रशांत तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी का अलर्ट जारी किया है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूकंप का केंद्र देश के दक्षिणी राज्य चियापास के पास, प्यूर्टो मादेरो शहर से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में था। इस शक्तिशाली भूकंप के कारण

मेक्सिको के साथ-साथ अल सल्वाडोर और ग्वाटेमाला जैसे आस-पास के कई देशों में भी धरती हिल गई। हालांकि, अभी तक मानवीय क्षति या बड़े पैमाने पर नुकसान के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इतनी तीव्रता के भूकंप से नुकसान की आशंका काफी अधिक है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग ने भूकंप के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि शुरुआती झटकों के बाद कई आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए, जिनमें सबसे तेज झटका 6.1 की तीव्रता का था। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भूकंप के बाद चियापास और टबास्को राज्यों में तत्काल किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं मिली है।

उपलब्धि ▶ अंतरिक्ष क्षेत्र में नया इतिहास, स्काईरूट एयरोस्पेस में मिली बड़ी उपलब्धि

देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 का हुआ सफल प्रक्षेपण

हैदराबाद। भारत ने अंतरिक्ष क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए अपने पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल विक्रम-1 का शनिवार को सफल प्रक्षेपण कर दिया। हैदराबाद स्थित स्पेस-टेक स्टार्टअप स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा विकसित इस रॉकेट ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से दोपहर 12:08 बजे सफलतापूर्वक उड़ान भरी। इस सफलता के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने एक नए युग में प्रवेश कर लिया है। रॉकेट के सफल प्रक्षेपण के बाद देशभर से बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर स्काईरूट एयरोस्पेस की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत के पहले निजी तौर पर विकसित ऑर्बिटल लॉन्च व्हीकल की यह सफलता देश के तेजी से उभरते निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्पेस टेक्नोलॉजी और बढ़ती स्पेस इकोनॉमी में भारत की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है तथा वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में देश की स्थिति को और मजबूत करेगी। तकनीकी दृष्टि से विक्रम-1 कई अत्याधुनिक विशेषताओं से लैस है। यह लगभग 350 किलोग्राम तक के पेलोड को पृथ्वी की निचली कक्षा में 450 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचाने में सक्षम है। इसके ऊपरी चरण में पूरी तरह 3डी-प्रिंटेड लिक्विड इंजन का उपयोग किया गया है, जबकि इसका मुख्य ढांचा ऑल-कार्बन कंपोजिट सामग्री से निर्मित है, जिससे इसका वजन कम और मजबूती अधिक बनी रहती है। रॉकेट के पहले तीन चरणों में ठोस ईंधन तथा चौथे चरण में तरल ईंधन का इस्तेमाल किया गया है। इसे विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के उपग्रहों के प्रक्षेपण के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी एक बड़ी विशेषता यह भी है कि इसे कम समय में किसी भी उपयुक्त स्थान पर असेंबल कर लॉन्च किया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि विक्रम-1 की सफलता भारत के निजी अंतरिक्ष उद्योग को वैश्विक वाणिज्यिक लॉन्च बाजार में नई पहचान दिलाने के साथ भविष्य में अंतरिक्ष मिशनों के लिए नए अवसर भी प्रदान करेगी।

जनपद भवन के लिए शासकीय भूमि आवंटन करने में जिम्मेदारों द्वारा बरती जा रही है कोताही

मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन के बावजूद जनपद भवन के निर्माण को लगा ग्रहण

समय जगत, खाचरोद। मुख्यमंत्री के गृहनगर जिले के खाचरोद में नवीन जनपद पंचायत भवन निर्माण हेतु 5 करोड़ से अधिक की राशि 2025 में स्वीकृत हुई है। जिसका भूमि पूजन भी विगत जनवरी में मुख्यमंत्री से स्थानीय प्रशासन एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा करा लिया गया है। जनपद अध्यक्ष कुंवर पृथ्वीराजसिंह पंवार ने एसडीएम, तहसीलदार, कलेक्टर, आयुक्त पंचायतमंत्री मुख्यमंत्री सबको कई बार अवगत कराने के बावजूद भी स्थानीय प्रशासन एवं कलेक्टर द्वारा जनपद पंचायत की अपनी स्वयं की भूमि सर्वे क्रमांक 984 पर नवीन भवन निर्माण हेतु भूमि का आवंटन महीनों से अटका रखा है। पंवार ने बताया कि जनपद का नवीन भवन वर्तमान

शासन द्वारा स्वीकृत किया है क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि भी इसी शासन के अभिन्न अंग हैं तो फिर भूमि आवंटन में स्थानीय प्रशासन द्वारा लेट लतीफी क्यों की जा रही है। जनहित का मुद्दा है व्यक्तिगत नहीं है जनपद की अपनी स्वयं की भूमि है, पर्याप्त भूमि है सरकार का एजेंडा भी है कि सभी शासकीय कार्यालय एक ही परिसर में हो इतना स्पष्ट होने के बाद भी शासन पर प्रशासन भारी दिखाई दे रहा है। क्या यही लोकतंत्र है जनहित में नवीन जनपद भवन के लिए भूमि आवंटन करने का स्थानीय प्रशासन से जवाब तलब क्यों नहीं कर रहे हैं। क्या मुख्यमंत्री द्वारा भूमिपूजन प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं है। पंवार ने बताया कि एसडीएम व कलेक्टर से भूमि आवंटन देरी का कारण क्यों नहीं पूछा जा रहा है। पंवार ने यह भी कहा है कि जनप्रतिनिधि यदि जागरूक नहीं तो फिर प्रशासन मनमानी करेगा मैं भी हक और जनहित की लड़ाई लड़ रहा हूं लेकिन नहीं सुनी जा रही है वहीं सरकार के प्रतिनिधि को तो अभी तक जनपद भवन की भूमि आवंटन कर देना चाहिए थी, श्रेय तो आपको ही जाता। 6 माह पूर्व मुख्यमंत्री से भूमिपूजन कर लिया गया वो भी गृहनगर की विधानसभा के हाल यह है कि 1 वर्ष पूर्व भवन निर्माण हेतु राशि शासन द्वारा स्वीकृत की गई शासकीय भूमि पर्याप्त उपलब्ध होने पर भी स्थानीय प्रशासन द्वारा भूमि आवंटित नहीं कराना निश्चित ही प्रशासन की हठधार्मिता है। यदि ईमानदारी से जनहित का संकल्प है तो तत्काल जनपद भवन के लिए भूमि आवंटन करने की कार्यवाही की जाना चाहिए अन्यथा न्यायालय की शरण ली जाएगी, जिसका समस्त उत्तरदायित्व स्थानीय प्रशासन का रहेगा।

सादगी और सेवा के पर्याय हैं लक्ष्मीनारायण त्रिकार

समय जगत, सारंगपुर । लक्ष्मीनारायण त्रिकार जिनका जीवन सेवा, समर्पण, सादगी और सामाजिक उत्तरदायित्व का अनुपम उदाहरण है। उनके जन्मदिवस के पावन अवसर पर समस्त नगरवासी, शुभचिंतक एवं सामाजिक संगठनों ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । न्याय विभाग शासकीय सेवा में अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करने के पश्चात भी उन्होंने समाज के प्रति अपने कर्तव्य को कभी समाप्त नहीं माना। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने स्वयं को पूर्णतः जनसेवा, सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण के कार्यों में समर्पित कर दिया। आज वे सारंगपुर नगर के उन अग्रणी समाजसेवियों में गिने जाते हैं, जिनकी सक्रियता और सकारात्मक सोच समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वर्तमान में आप प्रोग्रेसिव पेंशनर्स संघ, शाखा सारंगपुर के अध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, सम्मान

और कल्याण के लिए सतत कार्य कर रहे हैं। साथ ही प्रांतीय सचिव के रूप में संगठन को नई दिशा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महादेव मित्र, आरोग्य भारती तथा सद्भावना भजन मंडल जैसे प्रतिष्ठित सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से जुड़कर आप सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और सामाजिक समरसता की अलख जगा रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में आपका योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय है। एक सच्चे पर्यावरण प्रेमी के रूप में आपने सारंगपुर नगर को हरित और स्वच्छ बनाने के लिए वर्षों तक पौधारोपण, जनजागरण और संरक्षण के अनेक अभियान चलाए। आपके प्रयासों से न केवल हजारों पौधे धरती की शोभा बने, बल्कि असंख्य लोगों के मन में प्रकृति के प्रति प्रेम और संरक्षण का भाव भी जागृत हुआ।

संक्षिप्त समाचार

समय जगत की खबर से गाय को मिला इलाज

समय जग, नरसिंहपुर। संजय वार्ड में बीमार हालत में पड़ी एक गाय की खबर को समय जगत ग्रुप में प्रकाशित किया गया था। जिसकी खबर से संज्ञान लेकर संज्ञान पशु चिकित्सालय के डॉक्टरों ने तुरंत बीमार गाय के पास पहुंचकर इलाज किया। उनके द्वारा तत्परता से किए गए इलाज के लिए पशु चिकित्सालय के डॉक्टर नितिन किरार एवं डॉक्टर संदीप पटेल को वार्ड वासियों ने साधुवाद दिया। वहीं मध्य प्रदेश शासन के पशु कल्याण विभाग द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 1962 की लापरवाही भी देखने को मिली 1962 पर कॉल करने पर किसी के द्वारा भी काल नहीं उठाया गया था 1962 पर कॉल करने के 3 घंटे उपरांत मदद की पेशकश की गई थी परंतु उसके पूर्व ही समय जगत की खबर से संज्ञान लेकर पशु चिकित्सालय विभाग के डॉक्टरों द्वारा समय पर गाय का इलाज कर दिया गया।

शहरी गरीबी उपशमन विभाग सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ समिति की बैठक संपन्न

समय जगत, रतलाम । महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार नगर निगम शहरी गरीबी उपषमन विभाग (सामाजिक कल्याण प्रकोष्ठ) की बैठक समिति प्रभारी रामूभाई डाबी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। आयोजित बैठक में अनुशंसा की गई कि वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग आदि पेंशन योजना के ऐसे हितग्राही जिन्हे कुछ माह से पेंशन नहीं मिल रही है उन्हे शीघ्र पेंशन दिलाये जाने हेतु संबंधित विभाग को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही सुनिश्चित करें ताकि पेंशन धारकों को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। आयोजित बैठक में समिति प्रभारी रामूभाई डाबी के अलावा समिति सदस्य रणजीत टांक, धर्मेन्द्र रांका, करण कैथवास, श्रीमती देवश्री पुरोहित, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती आशा रावत, श्रीमती मीनाक्षी सेन समिति सचिव जितेन्द्र राठौर आदि उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति नीति से कराया गया अवगत

समय जगत, इटारसी। आगामी चुनाव की तैयारियों को लेकर खेड़ा स्थित होटल एक्सप्रेस 11 में कांग्रेस संगठन के दो दिवसीय शिविर के पहले दिन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिव एवं मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सह प्रभारी उषा नायडू, मध्य प्रदेश विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल, जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा, हरदा जिला कांग्रेस प्रभारी अर्चना जैन, नर्मदापुरम जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय, हरदा जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहन साई, प्रशिक्षक ललित सेन, सहित नर्मदापुरम जिला एवं हरदा जिला के ब्लॉक अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष एंव मंडलम अध्यक्ष विशेष रूप से उपस्थित थे।जिला कांग्रेस प्रवक्ता अनिल रैकवार ने बताया कि आज के शिविर में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कांग्रेस की रीति नीति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अवगत कराया एवं जनहित के मुद्दों लेकर जनता के बीच जाने का आह्वान किया।

एकीकृत शालाओं में दोनों स्तरों पर पढ़ा सकते हैं शिक्षक, आवश्यकतानुसार बने व्यवस्था

प्राथमिक में कमी होने पर माध्यमिक शिक्षक से अध्यापन का प्रावधान, जिले में कई जगह नहीं हो रहा पालन

समय जगत, मण्डला। जिले की एकीकृत शालाओं में शिक्षकों की पदस्थापना एवं अध्यापन व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार एक परिसर-एक शाला (एकीकृत शाला) व्यवस्था के तहत कार्यरत विद्यालयों में शिक्षक किसी एक स्तर के नहीं, बल्कि संपूर्ण एकीकृत विद्यालय के शिक्षक माने जाते हैं। ऐसे में विद्यालय की आवश्यकता के अनुरूप संस्था प्रमुख समय-सारणी बनाकर प्राथमिक एवं माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षकों से अध्यापन कार्य करा सकते हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार एकीकृत शाला संबंधी प्रावधानों का उद्देश्य उपलब्ध शिक्षकों का प्रभावी एवं संतुलित उपयोग सुनिश्चित करना है, ताकि किसी भी कक्षा के विद्यार्थियों की पढ़ाई शिक्षक की कमी के कारण प्रभावित न हो। यदि प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की कमी हो

और माध्यमिक स्तर पर पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध हों, तो आवश्यकता अनुसार माध्यमिक शिक्षक को प्राथमिक कक्षाओं में भी अध्यापन कार्य सौंपा जा सकता है। इसी प्रकार आवश्यकता पड़ने पर प्राथमिक शिक्षक की योग्यता अनुसार निर्धारित नियमों के अनुरूप अन्य कक्षाओं में सहयोग कर सकते हैं। जानकारी में आया है यही नियम एकीकृत हाईस्कूलों के लिए है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि जिले की अनेक एकीकृत शालाओं में इस व्यवस्था का प्रभावी पालन नहीं हो रहा है। कई विद्यालयों में माध्यमिक स्तर पर शिक्षक पर्याप्त संख्या में हैं, जबकि प्राथमिक कक्षाएं शिक्षक अभाव से जूझ रही हैं। इसके बावजूद उपलब्ध शिक्षकों के बीच समन्वय स्थापित नहीं किया जा रहा, जिससे छोटे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। सूत्रों के अनुसार कई एकीकृत विद्यालयों में माध्यमिक शिक्षक प्राथमिक कक्षाओं में अध्यापन कार्य करने से परहेज करते हैं। यदि यह स्थिति सही है तो यह एकीकृत शाला व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत मानी जा रही है।

इनका कहना है

एकीकृत स्कूलों में पदस्थ सभी शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वे शैक्षणिक कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई किसी भी स्थिति में प्रभावित न हो। यदि कहीं शिक्षण व्यवस्था या शिक्षकों की कार्यप्रणाली को लेकर अनियमितता अथवा शिकायत की जानकारी प्राप्त हुई है, तो इस संबंध में विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर जांच के निर्देश जारी किए जाएंगे। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे।

इंजी. कमलेश तेकाम
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष, जिला शिक्षा समिति जिला पंचायत, मण्डला

आपके द्वारा उठाया गया मामला संज्ञान में आया है। शासन के प्रचलित नियमों एवं निर्देशों के अनुरूप संबंधित विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश शीघ्र जारी किए जाएंगे, ताकि शैक्षणिक व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो और नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सके।

डॉ. अरुण कुमार शुक्ला
सहायक आयुक्त
जनजाति कार्य विभाग, मण्डला

सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अध्यक्षता में दिशा बैठक संपन्न

नर्मदापुरम। होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के अध्यक्ष श्री दर्शन सिंह चौधरी की अध्यक्षता में शुक्रवार को नर्मदापुरम जिला कलेक्ट्रेट के रेवा कक्ष में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्र एवं राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं तथा विकास कार्यों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में 28 विभागों से संबंधित 112 प्रमुख समीक्षा बिंदुओं एवं समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति, लंबित कार्यों, वित्तीय एवं भौतिक उपलब्धियों तथा जनहित से जुड़े विषयों पर जवाब तलब किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान जनप्रतिनिधियों ने शिक्षा, ग्रामीण विकास, कृषि, सिंचाई, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क, विद्युत, आवास, खाद्य वितरण, महिला एवं बाल विकास, वन, पंचायत, सहकारिता, कौशल विकास, एमएसएमई सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मुद्दे उठाए। कई मामलों में कार्यों में लापरवाही, अनावश्यक विलंब तथा जनशिकायतों के समाधान में शिथिलता पाए जाने पर सांसद श्री चौधरी एवं उपस्थित विधायकों ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वच्छता मित्रों को पीपीई किट के उपयोग व स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में किया जागरुक

समय जगत, रतलाम । सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार वार्ड क्रमांक 17 ईश्वर नगर में स्वच्छता मित्रों को पीपीई किट के सुरक्षित उपयोग एवं स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में कार्यक्रम आयोजित कर जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिक निगम की आईईसी टीम के सदस्य रामेश्वर परमार व रामप्रसाद गिरवाल द्वारा सफाई मित्रों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई किट) के महत्व एवं उसके सही एवं सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि सफाई कार्य के दौरान दस्ताने, मास्क, सुरक्षा जैकेट, गमबूट एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग करने से संक्रमण एवं दुर्घटनाओं के जोखिम को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इस अवसर पर सफाई मित्रों को स्वास्थ्य

एवं सुरक्षा संबंधी आवश्यक सावधानियों, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। दिनांक 18/07/2026 / 16 जुलाई 1946 को रतलाम में मजदूरों पर हुए गोली चालन में पांच मजदूर शहीद हुए थे उनकी याद में आज संयुक्त ट्रेड यूनियन रतलाम के तत्वाधान में शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पांचो शहीदों की याद में पांच पौधे लगाने का भी संयुक्त ट्रेड यूनियन की ओर से संकल्प लिया गया। शहीद चौक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम मे शहीद स्मारक पर शहीदों को नमन किया गया।

सिटीया गोहना गौशाला की 16 एकड़ शासकीय भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से की मुलाकात

समय जगत, सोहागपुर। सिद्ध महाराज के समीप स्थित सिटीया गोहना गौशाला की लगभग 16 एकड़ शासकीय भूमि पर कथित अतिक्रमण एवं मजार निर्माण के संबंध में सकल हिंदू समाज एवं नागरिक संघर्ष समिति, सोहागपुर के प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम से भेंट कर इस विषय पर चर्चा की। दूसरी और भाजपा मंडल अध्यक्ष अश्वनी सरोज शाहिद पार्षदों ने सुहागपुर विधायक विजयपाल सिंह को भी अतिक्रमण से अवगत कराया उन्होंने भी अतिक्रमण हटाने का भरोसा दिया साथ ही मुस्लिम समाज के अध्यक्ष वसीम खान ने भी विधायक विजयपाल सिंह को अतिक्रमण में सहयोग देने का भरोसा दिया है यदि ऐसा होता है तो नगर में एक अच्छी पहल होगी तथा हिंदू मुस्लिम एकता को बल मिलेगा वही

शिवकुमार पटेल ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम महोदय से आग्रह किया कि गौशाला की संपूर्ण शासकीय भूमि का राजस्व अभिलेखों के अनुसार सीमांकन कराया जाए तथा यदि किसी प्रकार का अतिक्रमण पाया जाता है, तो उसे विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत हटाकर पूरी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शासकीय भूमि का संरक्षण तथा उसका वैधानिक उपयोग सुनिश्चित किया जाना जनहित एवं प्रशासनिक उत्तरदायित्व का महत्वपूर्ण विषय है। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, एसडीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि संपूर्ण 16 एकड़ भूमि का राजस्व अभिलेखों के आधार पर परीक्षण एवं सीमांकन कराया जाएगा। जांच में यदि अतिक्रमण पाया जाता है, तो नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई कर भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराया जाएगा।

सांदीपनि विद्यालय में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा समारोह हुआ आयोजित

शिक्षा के साथ संस्कार पर दिया गया जोर

समय जगत, मण्डला। जिले के सांदीपनि विद्यालय, ग्राम सागर में गुरुपूर्णिमा पखवाड़ा के अवसर पर गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उइके ने की, जबकि क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों तथा शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता के लिए शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर अध्ययन करने, माता-पिता एवं गुरुओं का सम्मान करने और डॉक्टर, कलेक्टर, एसपी जैसे उच्च पदों पर पहुंचकर जिले व प्रदेश का नाम रोशन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं और विद्यार्थियों को आगामी परीक्षाओं में शत-प्रतिशत सफलता का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि

राज्य सरकार छात्र हित में लगातार कार्य कर रही है। कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थियों को समय पर निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जा रहा है। वहीं कक्षा पहली से आठवीं तक के बच्चों को मध्यान्ह भोजन, साइकिल एवं यूनिफॉर्म जैसी सुविधाओं का लाभ भी मिल रहा है। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आए हैं। एकलव्य एवं केंद्रीय विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम का संचालन हो रहा है तथा विद्यार्थियों के कौशल विकास के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी प्रारंभ किए गए हैं। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम एवं निवास विधायक चैनसिंह वरकड़े ने भी संबोधित किया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम देने वाले शिक्षकों में सुरेंद्र दुबे, श्वेता तिवारी, संजय तिवारी, बेनी प्रसाद मरावी, माया डेहरिया एवं पूर्णिमा पटेल का सम्मान किया गया। वहीं मेधावी विद्यार्थियों में कक्षा 10वीं के धर्मेंद्र कछवाहा, देवांशु साहू, संध्या मरावी तथा कक्षा 12वीं के अमित मर्सकोले, जागृति परवार एवं रूपाली राजपूत को सम्मानित किया गया। समारोह में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना नृत्य ने सभी का मन मोह लिया।

राहुल तंवर बने सब इंस्पेक्टर, गांव में हर्ष की लहर, उत्साह से निकाला जुलूस

सुठालिया । क्षेत्र के ग्राम नादनपुर निवासी युवक का हाल ही में घोषित हुए मप्र पुलिस सब इंस्पेक्टर परीक्षा में चयन हुआ हे उन्होंने जिलेंका गौरव बढ़ाया हे राहुल के एस आई के पद पर चयनित होने पर पूरे गांव में खुशी की लहर हे । गुरुवार को उनके गांव में प्रथम आगमन पर युवाओं ने खुशी व्यक्त कर डीजे ढोल के बाइक गांव में जुलूस निकाला ओर परिजनों ने खुशी में भंडारा आयोजित किया जिसमे बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए । राहुल बचपन से ही मेघावी छात्र रहा हे उसने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई स्थानीय स्तर पर व नवोदय कचनारिया श्यामपुर के निजी स्कूल में रहकर की वही एमपी पीएससी की तैयारी दिल्ली व इंदौर में रहकर की हे वे एक किसान परिवार से उनके पिता गांव में कृषि करते हे उन्हे अपने पुत्र पर गर्व है हालाकि राहुल का एमपी पीएससी मे प्री व मुख्य परीक्षा में भी चयन हो चुका हे उनका 2025 व 26 की मुख्य परीक्षा भी होना हे

हिनौती सरकारी स्कूल में भवन है क्षतिग्रस्त

प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडेय ने दी जानकारी

समय जगत, रीवा। मप्र के गंगेव जनपद की हिनौती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एक बार पुनः चर्चा के केंद्र में है। वजह यहाँ के क्षतिग्रस्त भवन हैं जहां 700 से अधिक कक्षा 01 से 12 तक के बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। ताजा अपडेट सामाजिक एवं आरटीआई एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के स्कूल परिसर में प्राचार्य के साथ वार्तालाप में सामने आया जहां पालक शिक्षक संघ एवं गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक में बातें रखीं गईं। मौके पर चर्चा के दौरान हालिया रीवा संभागीय आयुक्त शीलेन्द्र सिंह एवं रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों की भी चर्चा हुई जहां ऐसे जर्जर भवनों में कक्षा संचालित न करने की सख्त मनाही की गई है। चर्चा के दौरान हिनौती सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि पिछले वर्ष से ही क्षतिग्रत भवनों के नवनिर्माण एवं मरम्मत कार्यों की कवायद की जा रही है और समय समय पर शासन स्तर से गूगल शीट आदि गूगल मीट आदि के माध्यम से चाही गई जानकारियां प्रेषित की जाती रहती हैं। यदि प्राचार्य की मानें तो क्षतिग्रस्त भवनों की समस्त जानकारी अधोसंरचना निर्माण की जानकारी में प्रतिवर्ष प्रेषित की जाती रहती है। लिखित तौर पर भी प्रस्ताव एवं अन्य पत्राचार पंचायत विभाग एवं सरपंच को दिए गए हैं। यदि ग्राम पंचायत सेदहा सरपंच श्रीमती पूनम सिंह की मानें तो स्कूल के क्षतिग्रस्त पड़े कमरों एवं भवनों की पूरी जानकारी ग्राम सभा के प्रस्ताव सहित पहले ही पंचायत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और इंजीनियर को भेजी जा चुकी है। सरपंच प्रतिनिधि पुष्पराज सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत द्वारा विधिवत ग्राम सभा का प्रस्ताव पारित किया जाकर कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री एवं सहायक यंत्री द्वारा हिनौती स्कूल भवन में क्षतिग्रस्त भवनों के मरम्मत एवं पेवर ब्लॉक के कार्य के लिए पत्र क्रमांक 1252 दिनांक 17/11/2025 के माध्यम से तकनीकी स्वीकृति आदेश जारी किया गया था जो कि 25 लाख की सीमा के अंतर्गत है। लेकिन यह जिला खनिज मद से जारी किया जाना था जो कि आज दिनांक तक कार्ययोजना में ही शामिल नहीं कराया गया है जिसकी वजह से अभी प्रशासकीय स्वीकृति आदेश जारी न होने और फंड के अभाव की वजह से काम रुका है। यदि प्राचार्य और सरपंच की मानें तो यहां स्थानीय निकाय स्तर एवं स्कूल ने अपना दायित्व पूरा कर दिया है। अब बड़ा सवाल यह है जब स्कूल के 700 से अधिक छात्रों एवं दर्जनों शिक्षकों का जीवन संकट में बना हुआ है ऐसे में आखिर लगभग 8 माह पूर्व वर्ष 2025 में जारी की गई तकनीकी स्वीकृति अभी तक कैसे जिला माईनिंग कार्यालय के प्रमुख संजय सिंह की टेबल में धूल फांक रही है। गौरतलब है कि जिला माईनिंग फंड कार्यालय पहले भी काफी बदनाम रहा है जहां काम वही होते हैं जब कुछ चढ़ावा च? जाता है बाकी यह कोई देखने वाला नहीं है कि कार्य की अर्जेंसी और प्राथमिकता का स्तर क्या है। इसके पहले भी कई ऐसी ग्रेवल सड़कें हैं जिनके लिए गांववालों ने वर्षों पूर्व से आंदोलन किया था लेकिन वह सभी कार्य आज भी चढ़ावा के अभाव में लटके पड़े हैं जबकि अन्य बाद के कार्यों के लिए राशि जारी की जा चुकी हैं। सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी ने बताया कि उन्होंने डीएमएफ विभाग को संजय सिंह से हटाकर किसी अन्य अधिकारी को आवंटित किए जाने के लिए पहले भी कमिश्नर को ज्ञापन दिया था लेकिन उस पर कार्यवाही मात्र पत्राचार तक ही सीमित रह गई है। उनका मानना है जब तक जिला माईनिंग फंड का ओआईसी नहीं बदला जाता तब तक कार्यों की प्राथमिकता और सही जानकारी कभी भी जिला कलेक्टर के समक्ष पेश नहीं की जा सकेगी। हालांकि उन्होंने वर्तमान जिला कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी पर भरोसा जताया है और जल्दी कार्यवाही किया जाकर जल्द से जल्द हिनौती स्कूल के क्षतिग्रस्त भवन परिसर के मरम्मत और निर्माण की आशा व्यक्त की है।

दिनदहाड़े युवक का अपहरण होने से फैली सनसनी

परिजनों को भेजे जा रहे मारपीट के मैसेज

मुरैना। क्षेत्र के पंवाया रोड पर शुक्रवार सुबह एक बेहद सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां दिनदहाड़े अज्ञात बदमाशों ने एक 26 वर्षीय युवक का अपहरण कर लिया। घटना के बाद से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। परिजनों की शिकायत पर बानमोर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन वारदात के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ अब तक खाली हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक सोनू कुशवाहा (26 वर्ष), पुत्र देवीराम कुशवाहा, दिल्ली में कैमरा लगाने और ऑनलाइन ट्रांजैक्शन (पैसे ट्रांसफर) का काम करता था। वह करीब एक महीने पहले ही दिल्ली से अपने घर बानमोर आया था। शुक्रवार (17 जुलाई) की सुबह करीब 10:00 बजे किसी अज्ञात व्यक्ति ने सोनू को फोन करके बाहर बुलाया। जैसे ही सोनू गली से निकलकर मुख्य पंवाया रोड पर पहुंचा, वहां पहले से घात लगाए बैठे अज्ञात युवकों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उसे जबरन एक कार में डालकर फरार हो गए।

12 साल के बच्चे ने देखी वारदात: इस पूरी वारदात को पड़ोस में रहने वाले 12 वर्षीय बालक गोलू जाटव ने अपनी आंखों से देखा। गोलू ने तुरंत सोनू के घर पहुंचकर परिजनों को घटना की जानकारी दी। सोनू के पिता देवीराम कुशवाहा ने बताया कि उनके बेटे की किसी से कोई दुश्मनी या रंजिश नहीं थी। अचानक हुए इस अपहरण से पूरा परिवार सदमे में है। हैरान करने वाली बात यह है कि अपहरणकर्ता अब सोनू के ही मोबाइल नंबर से परिजनों को लगातार मैसेज भेज रहे हैं, जिसमें सोनू के साथ मारपीट किए जाने की बातें कही जा रही हैं। इससे परिवार की चिंता और ज्यादा बढ़ गई है।

क्या कहना है पुलिस का?: घटना के 24 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पुलिस को अभी तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लगा है। मामले को लेकर पुलिस एसडीओपी अनिल कुमार मडराह ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीमें लगातार जुटी हुई हैं और घटना के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे पुलिस से सोनू की सुरक्षित वापसी व आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

ग्राम सिकरोदा में आयोजित हुई उर्वरक पाठशाला, किसानों को जैव उर्वरकों के उपयोग के लिए किया प्रेरित

मुरैना। मुरैना जिले के ग्राम सिकरोदा में उर्वरक पाठशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 75 किसानों के साथ इफको अधिकारियों एवं इफको ई-बाजार के कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इफको के राज्य विपणन प्रबंधक, भोपाल डॉ. दिनेश कुमार सोलंकी रहे, जबकि अध्यक्षता प्रगतिशील कृषक श्री तोताराम ने की। कार्यक्रम में इफको मुरैना के मुख्य क्षेत्र प्रबंधक डॉ. बी.एस. जादौन ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाने के लिए जैव उर्वरकों के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग के साथ इफको के नवीन बायो-फर्टिलाइजर उत्पाद अपनाने से भूमि की गुणवत्ता बेहतर होगी। उन्होंने राज्य शासन द्वारा लागू की गई ई-टोकन प्रणाली की भी विस्तार से जानकारी दी।

खनिज तहबाजारी के नाम पर पाण्डेय ग्रुप की मनमानी

बांदा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ शजीरो टॉलरेंसश् की नीति का दम भरती है, लेकिन बांदा में जिला पंचायत के तहबाजारी ठेकेदार और उनके गुर्गों के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि वे इस नीति को खुलेआम धता बता रहे हैं। जनपद में खनिज तहबाजारी शुल्क के नाम पर दबंगई और मनमानी वसूली का खेल धड़ल्ले से जारी है। सोशल मीडिया पर लगातार वीडियो वायरल होने और समाचारों में सुर्खियां बनने के बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों का मौन रहना कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्षेत्र में चर्चा है कि श्या तो दाल में कुछ काला है या फिर पूरी दाल ही काली है। जानकारी के मुताबिक, जिला पंचायत में प्रशासक की घोषणा होने के बाद से जनपद में खनिज तहबाजारी ठेके के नाम पर गुंडा टैक्स की वसूली का खेल दोबारा शुरू हो गया है। महोबा के पाण्डेय ग्रुप के ठेकेदार और उसके दबंग गुर्गे बाहरी जिलों और मध्य प्रदेश से गिट्टी व मोरम लादकर आने वाले ट्रकों और वाहनों को जबरन रोक रहे हैं। पुलिस की शुरुआती सख्ती के कारण कुछ समय के लिए इस अवैध वसूली पर ब्रेक जरूर लगा था, लेकिन अब इस खेल ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का आरोप है कि रात ढलते ही ठेकेदार के लठैत सड़कों पर उतर आते हैं और गुंडागर्दी के बल पर अवैध वसूली को अंजाम देते हैं। अनुमान है कि इस खेल के जरिए रोजाना लाखों रुपए की अवैध काली कमाई की जा रही है। खनिज तहबाजारी का सीधा नियम है कि इसकी वसूली उद्गम स्थल से की जानी चाहिए। लेकिन पाण्डेय ग्रुप के ठेकेदार ने नियमों को पूरी तरह दरकिनार कर दिया है। मध्य प्रदेश से आने वाले वाहनों को निशाना बनाने के लिए नरैनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कई जगहों पर अवैध नाके बना दिए गए हैं।बरौली रोड नाका (चौकी करतल के पास),चन्दोरा रोड पुंगरी,बिल्हरका नहर पुल इन तीनों मुख्य मार्गों पर गुर्गों द्वारा लाठी-डंडों के दम पर वाहनों को रोककर अवैध रूप से मोटी रकम वसूली जा रही है। स्थानीय जनता और ट्रक ऑपरेटरों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है कि सब कुछ शीशे की तरह साफ होने के बावजूद जिला प्रशासन और खनिज विभाग मूकदर्शक बना हुआ है।

सार संक्षिप्त

ग्राम चौपाल में दिया नशे से दूरी का सन्देश

समय जगत, आगर मालवा। नशे से है दूरी जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत शनिवार को पिपलौन कला ग्राम पंचायत में ग्राम चौपाल लगाकर चौकी प्रभारी अजय जाट ने ग्रामीणजनों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी देकर नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि रामचंद्र राठौड़, चौकी प्रभारी अजय जाट ,प्रधान आरक्षक रवि यादव,इकबाल खान सहित चौकी स्टाफ और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शिक्षक तरवर सिंह बने राजगढ़ ग्रामीण शिक्षा समिति के नए जिला अध्यक्ष, प्रांतीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में हुआ सम्मान

समय जगत जीरापुर । विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त द्वारा संचालित ग्राम भारती शिक्षा समिति की जिला समिति द्वारा साधारण सभा आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, डॉ. हेडगेवार कॉलोनी, राजगढ़ में संपन्न हुआ बैठक में सर्वसम्मति से बाढ़गांव निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक तरवर सिंह को मां ग्रामीण शिक्षा समिति, जिला राजगढ़ को जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारियों का विशेष आतिथ्य प्राप्त हुआ कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रान्त सचिव विरेन्द्र सिंह सेंगर, प्रान्त प्रमुख चन्द्र हंस पाठक , मुरलीधर धर्माणी एवं प्रांतीय महासचिव गोविंद कारपेंटर मंचासीन रहे प्रांतीय पदाधिकारियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्या भारती का मूल उद्देश्य संस्कार युक्त शिक्षा के साथ राष्ट्र निर्माण करना है नई कार्यकारिणी जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षक प्रशिक्षण और सामाजिक समरसता के कार्यों को नई गति देगी वही नव नियुक्त जिलाध्यक्ष तरवर सिंह ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गुरुजनों के मार्गदर्शन में जिले के प्रत्येक शिशु मंदिर को आदर्श शिक्षा का केंद्र बनाएंगे भारतीय संस्कृति और संस्कारों को बच्चों तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता रहेगी इस अवसर पर बेठक में मौजूद गणमान्य शिक्षाविदों ने नव नियुक्त जिला अध्यक्ष का सम्मान के बधाई शुभकामनाएं दीं गई ।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ कृषि मंत्री का किया गया पुतला दहन

समय जगत, मुरैना। मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान के निर्देशानुसार तथा किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस के नेतृत्व में मुरैना जिले के विभिन्न ब्लॉकों—रामपुर, जौरा, कैलारस, अंबाह, पोरसा सहित अन्य स्थानों पर किसान कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों ने अपने-अपने पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ किसानों के हित में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का पुतला दहन कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इसी क्रम में जिला मुख्यालय मुरैना स्थित पुरानी कलेक्ट्रेट परिसर में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह डंगस के नेतृत्व में किसान कांग्रेस दक्षिण ब्लॉक अध्यक्ष इरसाद इकबाल शाह द्वारा किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर मुख्यमंत्री एवं केंद्रीय कृषि मंत्री का पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा पुतला दहन रोकने का प्रयास किया गया, जिससे कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी नोकझोंक भी हुई, लेकिन किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराते हुए पुतला दहन किया।

यह विरोध प्रदर्शन प्रदेशभर व जिले भर में मूँग की 100 प्रतिशत सरकारी खरीदी सुनिश्चित करने, किसान विरोधी ई-टोकन व्यवस्था को तत्काल समाप्त करने, समय पर नहर का पानी किसानों को देने एवं बटाईदार किसानों के लिए खाद की व्यवस्था की जाए आदि मांग को लेकर आयोजित किया गया।

हजारों जन्मों के पुण्य से मिलता है शिवलिंग निर्माण का अवसर : केशव गिरि महाराज

21 से 26 अगस्त तक वैदिक वाटिका में होगा पंचम रुद्र महायज्ञ

सिरोंज। शास्त्रों में कहा गया है कि अनेक जन्मों के पुण्य उदय होने पर मनुष्य जन्म मिलता है। सैकड़ों जन्मों के पुण्य के बाद भारतभूमि में जन्म का सौभाग्य प्राप्त होता है और हजारों वर्षों के पुण्य उदय के बाद भगवान शिव की पूजा एवं पार्थिव शिवलिंग निर्माण का अवसर मिलता है। ब्रह्मांड में जितने तारे हैं, उतने जन्मों के पुण्य का फल शिवलिंग निर्माण से प्राप्त होता है। भगवान शिव की आराधना करने वाला कभी निराश नहीं होता, उसका जीवन कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होता है।÷ यह उद्गार ग्रन्थ संत केशव गिरी महाराज ने उपनगरीय क्षेत्र मकरोनिया स्थित वैदिक वाटिका में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। बैठक में आगामी 21 से 26 अगस्त तक आयोजित होने वाले पंचम रुद्र महायज्ञ एवं असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण महोत्सव की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।संत केशव गिरी महाराज ने कहा कि भगवान शिव की कृपा के बिना कोई भी शुभ कार्य संभव नहीं होता। जब परमात्मा की कृपा होती है, तभी व्यक्ति को धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि पारस के स्पर्श से लोहा सोना बन जाता है, लेकिन भगवान शिव तो पत्थर को भी पारस बना देते हैं।

उलझनों से उम्मीद तक, किशोरों के लिए भरोसे का पता बना उमंग स्वास्थ्य केंद्र

समय जगत, राजगढ़। किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक बदलाव, आकर्षक दिखने की चाह, सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव और भविष्य की चिंता आज बड़ी संख्या में किशोर-किशोरियों को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही है। ऐसे दौर में जिला चिकित्सालय स्थित उमंग स्वास्थ्य केंद्र उनके लिए ऐसा सुरक्षित मंच बनकर उभरा है, जहां वे बिना किसी झिझक अपनी हर जिज्ञासा साझा कर रहे हैं। केंद्र में हर माह औसतन 200 से 250 किशोर-किशोरियां परामर्श लेने पहुंचते हैं, जबकि स्कूल खुलने के बाद यह संख्या बढ़कर 300 से 350 तक पहुंच जाती है।

विशेषज्ञ बताते हैं कि 10 से 19 वर्ष की उम्र में शरीर और मन दोनों में तेजी से बदलाव आते हैं। इन्हीं परिवर्तनों के कारण किशोरों के मन में बॉडी इमेज, मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, रिश्तों और भविष्य को लेकर अनेक सवाल जन्म लेते हैं। अधिकांश किशोर इन विषयों पर परिवार या परिचितों से खुलकर बात नहीं कर पाते। ऐसे में उमंग स्वास्थ्य केंद्र उन्हें पूरी गोपनीयता के साथ अपनी बात रखने और विशेषज्ञों से सही मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर उपलब्ध करा रहा है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के तहत संचालित इस केंद्र में किशोर-किशोरियों को शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, करियर काउंसलिंग, पोषण, मासिक धर्म संबंधी समस्याओं तथा नशे और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम जैसे विषयों पर निःशुल्क परामर्श दिया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि समय पर उचित काउंसलिंग मिलने से किशोरों की भ्रांतियां दूर होती हैं, उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जीवन की चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं।

हर सवाल का जवाब, बिना किसी डर और झिझक के उमंग स्वास्थ्य केंद्र की परामर्शदाता तनुषीखा अनंत फैमिली प्लानिंग एसोसियेशन से है केंद्र में आने वाले प्रत्येक किशोर की बात पूरी संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ सुनी जाती है। उन्हें बिना जज किए अपनी भावनाएं व्यक्त करने का अवसर दिया जाता है और उनकी परिस्थितियों के अनुसार समाधान खोजने में मदद की जाती है। उन्होंने बताया कि कई बार मानसिक तनाव से गुजर रहे किशोर आत्महत्या जैसे गंभीर विचार भी साझा करते हैं। ऐसे समय में समय पर परामर्श, भावनात्मक सहयोग और सकारात्मक मार्गदर्शन देकर उन्हें नई उम्मीद देने का प्रयास किया जाता है। उनका कहना है कि विश्वास और संवाद ही किशोरों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने की सबसे प्रभावी कड़ी है।

जनसमस्याओं का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निराकरण है शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता:आयुक्त

बांदा। चित्रकूटधाम मण्डल के आयुक्त अजीत कुमार ने साफ कर दिया है कि जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शनिवार को आयुक्त अजीत कुमार ने पुलिस उपमहानिरीक्षक के साथ तहसील मौदहा में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ शिकायतकर्ता की संतुष्टि के अनुरूप त्वरित समाधान के निर्देश दिए। समाधान दिवस के बाद उन्होंने विभिन्न विकास विभागों की समीक्षा बैठक की, जिसमें वर्षा ऋतु को देखते हुए जलभराव और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए सभी विभागों को तालमेल बिठाकर काम करने को कहा। समाधान दिवस के बाद कमिश्नर ने पीसीएफ मौदहा के उर्वरक गोदाम का औचक निरीक्षण किया। गनीमत रही कि मौके पर सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित मिले और गोदाम में यूरिया, डीएपी व एनपीके खाद का पर्याप्त स्टॉक पाया गया। कमिश्नर ने सख्त लहजे में निर्देश दिया कि किसानों को उनकी जरूरत के मुताबिक समय पर पारदर्शी तरीके से खाद मिले। यदि कहीं भी खाद की जमाखोरी, कालाबाजारी या वितरण में अनियमितता पाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों व माफियाओं के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद आयुक्त का काफिला आयुष्मान आरोग्य मंदिर, मकराव पहुंचा। वहां दो एएनएम ड्यूटी पर तैनात मिलीं और दवाइयों का स्टॉक भी ठीक था। लेकिन जैसे ही कमिश्नर की नजर स्वास्थ्य केंद्र के पहुंच मार्ग पर लगे कूड़े के ढेर और बजबजाती नालियों पर पड़ी, वे बेहद नाराज हो गए। उन्होंने बिना वक्त गंवाए मौके पर ही जेसीबी मशीन बुलवाकर साफ-सफाई का काम शुरू कराया। उपजिलाधिकारी मौदहा को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपनी मौजूदगी में सफाई पूरी कराकर आज शाम तक तस्वीरों सहित अनुपालन रिपोर्ट कमिश्नर कार्यालय को भेजें। उन्होंने गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर आयुष्मान योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। कमिश्नर अजीत कुमार ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय, मकराव का भी औचक निरीक्षण किया। कक्षा में शिक्षिकाएं बच्चों को पढ़ाती मिलीं और बिजली-पंखे की व्यवस्था भी दुरुस्त थी। मगर जब कमिश्नर स्कूल के शौचालय की तरफ बढ़े, तो वहां की बदबू और गंदगी देखकर भड़क गए। स्कूल की बाउंड्रीवॉल और पोर्च की टाइलें भी टूटी हुई मिलीं। बुनियादी सुविधाओं के इस बुरे रखरखाव पर गहरी अप्रसन्नता जताते हुए कमिश्नर ने बेसिक शिक्षा अधिकारी , हमीरपुर से तत्काल स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए हैं। शिक्षकों को निर्देश देते हुए कमिश्नर ने कहा कि कमजोर बच्चों के लिए अलग से विशेष कक्षाएं चलाई जाएं और नियमित तौर पर पेरेंट्स-टीचर मीटिंग आयोजित की जाए।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान को जिलेभर में मिल रहा जनसमर्थन

विद्यालयों एवं सार्वजनिक स्थलों पर हजारों नागरिकों ने लिया नशामुक्त समाज निर्माण का संकल्प

आगर मालवा। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार संचालित प्रदेशव्यापी ÷नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0÷ जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस आगर मालवा द्वारा जनजागरूकता गतिविधियों का सिलसिला लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र कुमार बोयट के मार्गदर्शन एवं समस्त अनुविभागीय पुलिस अधिकारियों के पर्यवेक्षण में जिले के सभी थाना एवं चौकी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों, ग्रामीणों एवं समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए उन्हें स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ग्रामीणों, विद्यार्थियों, शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक हानियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। नागरिकों को बताया गया कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार की खुशियों, सामाजिक प्रतिष्ठा, आर्थिक स्थिति तथा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव छोड़ता है। सभी से स्वयं नशे से दूर रहने, अपने परिवार एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने तथा नशे से संबंधित किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई। कार्यक्रमों के अंत में उपस्थित सभी नागरिकों को ÷जिंदगी को हाँ, नशे को ना÷ का संकल्प दिलाते हुए नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई।

अभियान के अंतर्गत थाना कानड़ द्वारा ग्राम नैन्याखेड़ी अहीर में ग्राम चौपाल आयोजित कर ग्रामीणों से संवाद स्थापित किया गया। साथ ही कानड़ नगर के बस स्टैंड एवं सब्जी मंडी क्षेत्र में व्यापारियों, यात्रियों एवं आमजन से संपर्क कर नशामुक्त जीवन अपनाने का संदेश दिया गया तथा उन्हें अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया।

चौकी पीपलोन कला, थाना कोतवाली आगर द्वारा ग्राम पंचायत पीपलोन कला में ग्राम चौपाल आयोजित की गई, जिसमें सरपंच, सचिव, पंचायत प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की सहभागिता रही। उपस्थित सभी लोगों ने नशे से दूर रहने एवं समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया।

इसी क्रम में चौकी बड़ागांव, थाना नलखेड़ा द्वारा शासकीय हाई स्कूल, ग्राम गोंदलमऊ में विद्यार्थियों के मध्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

संपादकीय

देश की स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर हो रहा है सुधार

देश की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। वैश्विक स्तरपर भारत आज विकसित भारत-2047 के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है,जहाँ आर्थिक प्रगति के साथ- साथ एक सुदृढ़,आधुनिक, वैज्ञानिक तथा जन-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण भी राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया है भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी आबादी वाला लोकतांत्रिक राष्ट्र ही नहीं, बल्कि तेजी से उभरती हुई स्वास्थ्य महाशक्ति बनने की दिशा में भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद से नहीं मापी जाती, बल्कि उसके नागरिकों के स्वास्थ्य,अनुसंधान क्षमता, चिकित्सा नवाचार तथा गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं से भी आंकी जाती है। यही कारण है कि भारत सरकार का स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय निरंतर ऐसी नीतियां और कानून विकसित कर रहा है जो देश की स्वास्थ्य प्रणाली को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सशक्त बना सकें। अभी हाल ही में 8 जुलाई को जारी की गई । किसी भी देश की वास्तविक ताकत केवल उसकी सैन्य या आर्थिक क्षमता नहीं होती, बल्कि उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था, वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता और दवा प्रणाली की मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। महामारी के दौरान भारत ने टीकों के अनुसंधान,उत्पादन और वैश्विक आपूर्ति में जो भूमिका निभाई, उसने दुनिया का ध्यान भारतीय वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।इसी अनुभव के आधार पर अब भारत सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यापक सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रही है। आज पूरी विश्व स्वास्थ्य क्षेत्र में चौथी औद्योगिक क्रांति का अनुभव कर रहा है। आर्टिफिशल इंटेलीजेंस,मशीन लर्निंग,जीन एडिटिंग,बिग डेटा, रोबोटिक सर्जरी, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी तकनीकें चिकित्सा व्यवस्था का स्वरूप बदल रही हैं। ऐसे समय में भारत यदि अपनी अनुसंधान नीति और फार्मेसी शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक नहीं बनाता, तो भविष्य की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पीछे रह सकता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान नीति-2026 का मूल उद्देश्य भारत में स्वास्थ्य अनुसंधान को नई दिशा देना है। कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया कि जिन देशों की वैज्ञानिक अनुसंधान क्षमता मजबूत होती है, वे महामारी, नई बीमारियों और स्वास्थ्य आपदाओं का सामना अधिक प्रभावी ढंग से कर सकते हैं। भारत ने भी कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण, दवा उत्पादन तथा डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की, किंतु इस अनुभव ने यह भी बताया कि अनुसंधान के लिए दीर्घकालिक निवेश, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, प्रशिक्षित वैज्ञानिक, गुणवत्ता पूर्ण डेटा तथा उद्योग एवं शैक्षणिक संस्थानों के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है।नई नीति इन्हीं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनुसंधान को अधिक समन्वित, पारदर्शी,नैतिक तथा नवाचार-आधारित बनाने का प्रयास करती है। ऐसे में देश में स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार हो रही प्रगति देशवासियों के लिये फायदेमंद तो है ही साथ ही यह देश की वैश्विक प्रतिष्ठा में वृद्धि का भी सूचक है।

'एक देश- एक चुनाव' का फार्मूला होगा फायदेमंद

नजरिया

एक साथ चुनाव लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया का अनिवार्य शोधन है। बीते एक दशक में शासन की रफ्तार, डिजिटल गवर्नेंस और बुनियादी ढांचे के निर्माण को जिस तरह नीति की निरंतरता से गति मिली है, उसी सिलसिले में इस सुधार का दस्तक देना स्वाभाविक है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह है कि देश एक स्थायी चुनावी भंवर में फंस चुका है। पिछले पांच वर्षों का रिकार्ड गवाह है कि हर साल किसी न किसी बड़े राज्य में चुनावी मरोड़ उठती है और आचार संहिता का पहरा बैठ जाता है। नतीजा यह कि शासन का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के काम के बजाय चुनावी बंदोबस्त में होम हो जाता है। इसका सीधा असर सार्वजनिक निवेश और नीतिगत फैसलों पर पड़ता है। कोविंद समिति की रिपोर्ट ने साफ रेखांकित किया है कि इन बिखरी हुई चुनावी तारीखों के कारण देश प्रशासनिक और आर्थिक अनिश्चितता की भारी कीमत चुका रहा है। जैसे ही आचार संहिता लागू होती है, नई विकास योजनाएं, टेंडर और बड़े फैसले फाइलों में सिमट कर रह जाते हैं। बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट्स को रफ्तार चाहिए, लेकिन बार-बार लगने वाला यह राजनीतिक ब्रेक उनकी लागत बढ़ाता है और समय लील जाता है।

डॉ. रामानंद शर्मा

इस मानसून सत्र की दहलीज पर 'एक देश-एक चुनाव' को लेकर देश में जैसी बहस छिड़ी है, वैसी किसी अन्य सुधार पर लंबे समय से नहीं देखी गई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कि एक देश-एक चुनाव को लेकर कोई विधेयक संसद के इस सत्र में आएगा या नहीं, लेकिन यदि आता है तो उसे लेकर विरोध देखने को मिल सकता है, क्योंकि कई राजनीतिक दल एक साथ चुनाव के विचार को खारिज करते चले आ रहे हैं। मूल प्रश्न यह नहीं है कि देश में चुनाव कितनी बार होते हैं, बल्कि यह है कि चुनी हुई सरकारें जनता को कैसा शासन दे पाती हैं। यही वह बुनियादी आधार है, जिसके केंद्र में यह पूरा प्रस्ताव खड़ा है। वर्तमान में संसद की संयुक्त समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 को खंगाल रही है। पीपी चौधरी की अध्यक्षता में विभिन्न पक्षों से संवाद जारी है। इसे केवल चुनाव का कैलेंडर ठीक करने की यांत्रिक कसरत समझना भूल होगी। यह भारतीय शासन-व्यवस्था को बुनियादी तौर पर कसने और उसे नया स्वरूप देने का ऐतिहासिक अवसर है। एक साथ चुनाव लोकतंत्र का विकल्प नहीं, बल्कि हमारी चुनावी प्रक्रिया का अनिवार्य शोधन है। बीते एक दशक में शासन की रफ्तार, डिजिटल गवर्नेंस और बुनियादी ढांचे के निर्माण को जिस तरह नीति की निरंतरता से गति मिली है, उसी सिलसिले में इस सुधार का दस्तक देना स्वाभाविक है। भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा संकट यह है कि देश एक स्थायी चुनावी भंवर में फंस चुका है। पिछले पांच वर्षों का रिकार्ड गवाह है कि हर साल किसी न किसी बड़े राज्य में चुनावी मरोड़ उठती है और आचार संहिता का पहरा बैठ जाता है। नतीजा यह कि शासन का बड़ा हिस्सा रोजमर्रा के काम के बजाय चुनावी बंदोबस्त में होम हो जाता है। इसका सीधा असर सार्वजनिक निवेश और नीतिगत फैसलों पर पड़ता है। कोविंद समिति की रिपोर्ट ने साफ रेखांकित किया है कि इन बिखरी हुई चुनावी तारीखों के कारण देश प्रशासनिक और आर्थिक अनिश्चितता की भारी कीमत चुका रहा है। जैसे ही आचार संहिता लागू होती है, नई विकास योजनाएं, टेंडर और बड़े फैसले फाइलों में सिमट कर रह जाते हैं। बुनियादी ढांचे के बड़े प्रोजेक्ट्स को रफ्तार चाहिए, लेकिन बार-बार लगने वाला यह राजनीतिक ब्रेक उनकी लागत बढ़ाता है और समय लील जाता है। देश का करदाता अपनी गाढ़ी कमाई से जिस प्रशासनिक तंत्र को विकास के लिए टैक्स देता है, वह भी मशीनरी महीनों चुनावी फेर में उलझी रहती है। इसकी सबसे करारी चोट हमारी शिक्षा व्यवस्था पर पड़ती है। चुनावों की घोषणा होते ही लाखों शिक्षकों और सुरक्षा बलों को उनके मूल दायित्वों से हटाकर ड्यूटी पर तैनात कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में पढ़ाई ठप हो जाती है। बच्चों के इस नुकसान की भरपाई कोई राजनीतिक दल नहीं कर सकता। लोकतंत्र का मतलब सिर्फ वोट डालना नहीं है। जनता को निर्बाध और सुचारु नागरिक जीवन मिलना ही इसकी असली कसौटी है। हम इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि किसी राज्य में चुनाव की घोषणा होते ही राजनीतिक दल अपनी प्राथमिकताएं बदलने को बाध्य हो जाते हैं। यदि हम भारतीय चुनावी इतिहास को देखें तो 1951 से 1967 तक देश में एक साथ ही चुनाव होते थे। यह समकालिक व्यवस्था इसलिए समाप्त नहीं हुई कि वह नाकाम थी, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता और समयपूर्व विघटनों के कारण उसका क्रम टूटा। इसलिए यह विचार किसी एक सरकार की तात्कालिक उपज नहीं है। चुनाव आयोग, विधि आयोग और संविधान समीक्षा आयोग वर्षों से इसे एक जरूरी सुधार के रूप में रेखांकित करते रहे हैं। स्वयं चुनाव आयोग आवश्यक संवैधानिक और प्रशासनिक तैयारी के साथ इसे संभव मानता है। ऐसे में यह बहस केवल राजनीतिक नफा-नुकसान की नहीं, देश की संस्थागत तत्परता की है। यह कोई नया या अनजाना प्रयोग नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की मूल चुनावी व्यवस्था को आज की परिस्थितियों के अनुरूप पुनर्स्थापित करने का एक गंभीर प्रयास है। हालांकि इस सुधार के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधनों को लेकर कई तरह की आशंकाएं भी उठाई जा रही हैं। मुख्य विपक्षी दलों और क्षेत्रीय ताकतों का तर्क है कि एक साथ चुनाव होने से राष्ट्रीय मुद्दे प्रांतीय चुनावों पर हावी हो जाएंगे। उनका मानना है कि इससे स्थानीय सरोकार हाशिए पर चले जाएंगे और बहुदलीय ढांचा कमजोर पड़ सकता है। हालांकि हमारा चुनावी इतिहास यह दिखाता है कि भारतीय मतदाता कहीं अधिक परिपक्व है। यदि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय मुद्दों को दबा देते तो अनेक राज्यों में मतदाता एक ही दिन लोकसभा और विधानसभा में अलग-अलग दलों को जनादेश क्यों देते? आखिर अब भी कई राज्यों के विधानसभा चुनाव लोकसभा के साथ होते हैं। हमारी जनता राष्ट्रीय और स्थानीय प्राथमिकताओं के फर्क को बखूबी समझती है। इसका सबसे कठिन हिस्सा इसके कानूनी पहलुओं से जुड़ा है। यदि कोई राज्य सरकार दो साल में ही गिर जाए या केंद्र में त्रिशंकु सदन की स्थिति बन जाए तो उस स्थिति में इस समकालिक चक्र को कैसे बचाया जाएगा? विधि आयोग और उच्चस्तरीय समिति के अनुसार, ऐसी स्थिति में होने वाले मध्यावधि चुनाव केवल पिछले सदन के बचे हुए कार्यकाल के लिए ही होने चाहिए। यह व्यवस्था व्यावहारिक रूप से कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या मतदाता केवल दो साल के कार्यकाल के लिए फिर से मतदान करने के लिए तत्पर होंगे? असली चुनौती केवल एक बार साथ चुनाव कराने की नहीं है, बल्कि राजनीतिक अस्थिरता के बीच इस पूरी व्यवस्था को टिकाऊ बनाए रखने की है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत के वृहद राष्ट्रीय लक्ष्य को पूरा करने के लिए नीतियों की निरंतरता और प्रशासनिक स्थिरता सबसे पहली शर्त है। जब देश निरंतर चुनावी चक्रों के भंवर से मुक्त रहेगा, तभी हम बुनियादी ढांचे के निर्माण और बड़े आर्थिक सुधारों को सफलता से जमीन पर उतार पाएंगे। इसीलिए एक देश-एक चुनाव को भी किसी दलगत राजनीति के चश्मे से देखने के स्थान पर इसे राष्ट्र-निर्माण के नजरिए से देखा जाना चाहिए। इसमें ही सबका हित है।

'मैहर' राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत सूची में

राजेश गनोडवाले

कि सी महामारी के कारण मैहर में अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। देश में मॉनसून छाने के कुछ पहले आई यह खबर मन शीतल करने वाली है। समाचार है कि अब विश्वविख्यात 'मैहर बैंड' भारत सरकार की 'राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची' में दर्ज हो गया है। यानी अब हम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से बस एक कदम पीछे हैं। यह उपलब्धि केवल मैहर या विंध्य क्षेत्र की नहीं, पूरे मध्यप्रदेश और भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए उम्मीद लाई है। विस्तृत अर्थों में यह शास्त्रीय संगीत की उस सोच का सम्मान है, जिसमें दुर्लभता के प्रति नमन भाव बाहर आता है। निःसंदेह, इस बढ़त से भारतीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के देशीय प्रयासों में ऊर्जा आएगी, साथ ही उस दिशा को देखने वाले रास्ते भी चौड़े होंगे। उत्तर भारतीय रागदारी संगीत से जुड़ी यह खबर तब और सुखदाई है जब भारत की शास्त्रीय बिरादरी में दुर्लभता को लेकर एक प्रकार का ठण्डापन पसरा है। आज शहनाई, दिलरुबा, तार शहनाई, इसराज और सारंगी या पखावज के प्रति आयोजन-समाज के भीतर कितनी गर्मजोशी है, बताने की जरूरत नहीं। जान लें, 'मैहर बैंड' भारतीय वाद्य यंत्रों का ऐसा समूह है, जिसमें कुछ वाद्य इस बैंड के साथ ही जन्में। अर्थात? उनका पहले कोई अस्तित्व नहीं था। इस आर्केस्ट्रा के जनक सरोद वादक बाबा अल्लाउद्दीन खां थे। अपनी कल्पनाशीलता से जब उन्होंने वाद्य यंत्रों के समूह के माध्यम से रागदारी बजाने, सुनवाने की परिकल्पना की तो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कुछ नवाचार भी जोड़ा। यही नवाचार दुर्लभ बन गया जब देश ने देखा कि लौह, पीतल के कुछ साधारण से पाइप भी सुर निकास में बराबरी का योगदान दे रहे हैं! मध्यप्रदेश के ऐतिहासिक शहर से जुड़ी इस अनूठी शास्त्रीय परम्परा की कड़ी प्रसिद्ध 'मैहर घराना' से संबंधित है। एक समय सिमटा-सा कस्बा मैहर बाबा अल्लाउद्दीन खां की कर्मभूमि था। उन्हीं बरसों में बाबा ने सन? 1918 में इसे साकार किया था। बैंड और मैहर शहर का गठजो? लेते दिया गया सुंदर परिचय 'मैहर बैंड' के अस्तित्व में आने की कहानी भी खासी मर्मस्पर्शी है। असल में किसी महामारी के कारण मैहर में एकाधिक अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने कुछ सोचते हुए उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। राज दरबार के शासक राजकुमार ब्रजनाथ सिंह की हरी झंडी ने बाबा के इस रुझान को उठान दे दी, नतीजा पांचों वक्त के नमाजी और पहाड़ी पर विराजित मां शारदा के प्रतिदिन बिला नागा दर्शन करने जाने वाले बाबा का रचनात्मक मन सक्रिय हो उठा। मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता 'नलतरंग' वाद्य है, जिसे बंदूक की नलियों को स्वरबद्ध कर बनाया गया था - इसे दुनिया का एकमात्र ऐसा शास्त्रीय वाद्य माना जाता है। सितार, सरोद, वायलिन, चेलो, तबला जैसे वाद्यों का समन्वय इसकी पहचान है। बता दें कि 'संगना' यानी संगीत नाटक अकादमी भारत में यूनेस्को की नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगना ने ही मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को इस महत्वपूर्ण दायरे में लिया है। प्रदेश पर्यटन मण्डल ने इसी वर्ष 8 जनवरी, सन? 2026 को मैहर बैंड के अलावा अगरिया लौह परंपरा' और निमाड़ के जनपदीय भोजन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अकादमी को भेजा था। अब इन तीनों विरासतों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के दावे को आधिकारिक रूप से बल मिला है। अब आगे क्या? तो इसी राष्ट्रीय सूची में से चयनित विरासतों का नामांकन प्रत्येक दो वर्ष में यूनेस्को भेजा जाता है। इस सोच के पीछे खड़ी राज्य सरकार की बांछें खिलनी ही थीं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इलैयाराजा टी. इसे 'पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता' मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी 'चिंता अब खत्म हुई' वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव, अशोक वाजपेई ने दी थी यह उसी का एक विलंबित विस्तार है।

तटीय सुरक्षा का अभेद्य कवच बनेगा भारत

कांतिलाल मांडोत

भारत की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा देश की आर्थिक प्रगति, सामरिक शक्ति और राष्ट्रीय सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार है। समुद्री मार्गों से देश का अधिकांश अंतरराष्ट्रीय व्यापार होता है, इसलिए बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की सुरक्षा केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी सबसे महत्वपूर्ण विषय बन चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में दुनिया भर में समुद्री रास्तों के जरिए आतंकवाद, हथियारों की तस्करी, नशीले पदार्थों की हेराफेरी और अवैध घुसपैठ की घटनाओं ने यह साबित किया है कि यदि समुद्री सीमाओं की निगरानी कमजोर हो तो उसका सीधा असर देश की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ता है। इसी चुनौती को देखते हुए केंद्र सरकार ने अब तटीय सुरक्षा को पूरी तरह अभेद्य बनाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की तटीय सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए स्पष्ट कहा है कि समुद्री सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने तटीय जिलों के पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों के मछली बंदरगाहों और फिश लैंडिंग सेंटरों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। इन संवेदनशील स्थानों पर केवल स्थायी पुलिसकर्मियों की तैनाती करने के निर्देश भी दिए गए हैं ताकि सुरक्षा व्यवस्था में निरंतरता और जवाबदेही बनी रहे। गृह मंत्री ने यह भी कहा कि बंदरगाह सुरक्षा ब्यूरो में केवल केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) से प्रशिक्षित निजी सुरक्षा कर्मियों को ही तैनात किया जाए। इसके साथ ही सभी प्रमुख बंदरगाहों पर कंटेनर स्कैनिंग की अनिवार्य व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती समुद्री मार्गों से होने वाली अवैध घुसपैठ रही है। कई बार तस्कर और अपराधी छोटे मछली पकड़ने वाले जहाजों या नावों का उपयोग करके भारतीय समुद्री सीमा में प्रवेश करने का प्रयास करते हैं। यदि तटीय क्षेत्रों की निगरानी मजबूत होगी, आधुनिक तकनीक का उपयोग होगा और प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाएगी तो ऐसी घुसपैठ लगभग असंभव हो जाएगी। सुरक्षा एजेंसियों को पहले से सूचना मिल सकेगी और संदिग्ध गतिविधियों पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। देश ने अतीत में यह अनुभव किया है कि समुद्री मार्गों का उपयोग आतंकवादी संगठन भी कर चुके हैं। ऐसे अनुभवों ने यह स्पष्ट कर दिया कि तटीय सुरक्षा केवल सीमा सुरक्षा का विषय नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की पहली रक्षा पंक्ति है। गृह मंत्रालय का मानना है कि यदि बंदरगाहों, मछली लैंडिंग केंद्रों और समुद्री गतिविधियों पर चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी रखी जाए तो आतंकवादी किसी भी रूप में भारत में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। आधुनिक निगरानी प्रणाली, प्रशिक्षित सुरक्षा बल और बेहतर समन्वय आतंकवाद के खिलाफ मजबूत सुरक्षा कवच तैयार करेंगे।

समुद्री मार्गों के जरिए नशीले पदार्थों की तस्करी भी लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए बड़ी चुनौती रही है। अंतरराष्ट्रीय तस्कर समुद्री रास्तों का उपयोग करके करोड़ों रुपये के मादक पदार्थ भारत तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। कई बार कंटेनरों के भीतर छिपाकर प्रतिबंधित सामग्री भेजी जाती है। ऐसे मामलों में यदि प्रत्येक कंटेनर की आधुनिक स्कैनिंग होगी तो अवैध सामान की पहचान करना कहीं अधिक आसान हो जाएगा। इससे न केवल मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक लगेगी बल्कि हथियारों, विस्फोटकों और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की हेराफेरी भी रोकी जा सकेगी। बंदरगाहों की सुरक्षा व्यवस्था में निजी सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए गृह मंत्रालय ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल लाइसेंस प्राप्त और प्रशिक्षित सुरक्षा एजेंसियों को ही यह जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इससे सुरक्षा मानकों में एकरूपता आएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता की संभावना कम होगी। सीआईएसएफ से प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती का निर्णय भी इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है क्योंकि यह बल देश के सबसे संवेदनशील प्रतिष्ठानों की सुरक्षा का व्यापक अनुभव रखता है। तटीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए केवल पुलिस या सुरक्षा बलों की भूमिका ही पर्याप्त नहीं होती। इसमें तटरक्षक बल, नौसेना, राज्य पुलिस, खुफिया एजेंसियां, बंदरगाह प्राधिकरण और स्थानीय मछुआरा समुदाय सभी की सहभागिता आवश्यक होती है। समुद्र में सबसे पहले किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी अक्सर मछुआरों को ही मिलती है। यदि उनके साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए तो सुरक्षा एजेंसियां समय रहते किसी भी खतरे को रोक सकती हैं। केंद्र सरकार इसी समन्वित सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

भारत वैश्विक व्यापार का तेजी से उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। देश के बंदरगाहों पर प्रतिदिन हजारों कंटेनरों का आवागमन होता है। ऐसे में सुरक्षा और व्यापार के बीच संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। आधुनिक कंटेनर स्कैनिंग प्रणाली इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी क्योंकि इससे व्यापार प्रभावित किए बिना सुरक्षा को मजबूत बनाया जा सकेगा। डिजिटल निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण और अत्याधुनिक स्कैनिंग तकनीक भविष्य की समुद्री सुरक्षा का आधार बन सकती है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि तटीय सुरक्षा को लेकर सरकार किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ेगी। उनका कहना है कि भारत की समुद्री सीमाएं पूरी तरह सुरक्षित रहें, इसके लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सुरक्षा व्यवस्था को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बेहतर समन्वय के माध्यम से लगातार मजबूत किया जाएगा। उनका यह संदेश भी स्पष्ट है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

आज भारत जिस गति से वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसमें सुरक्षित समुद्री सीमाएं और सुरक्षित बंदरगाह अत्यंत आवश्यक हैं। मजबूत तटीय सुरक्षा से न केवल अवैध घुसपैठ पर रोक लगेगी बल्कि आतंकवादी गतिविधियों, हथियारों की तस्करी और नशीले पदार्थों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को भी बड़ा झटका लगेगा। इससे देश की आंतरिक सुरक्षा और आर्थिक व्यवस्था दोनों मजबूत होंगी। केंद्र सरकार का यह अभियान केवल सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रयास नहीं बल्कि भारत की समुद्री सीमाओं को अभेद्य बनाने का राष्ट्रीय संकल्प है। यदि सभी निर्देश प्रभावी ढंग से लागू होते हैं तो आने वाले वर्षों में भारत की तटीय सुरक्षा दुनिया की सबसे मजबूत सुरक्षा व्यवस्थाओं में शामिल हो सकती है। यह कदम देश की सुरक्षा, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों की रक्षा की दिशा में एक निर्णायक पहल साबित होगा।

वार्ता के लिए रवैया सुधारे पाकिस्तान

आनंद कुमार

भारत और पाकिस्तान के संबंध एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। बीते दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती, पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के अलावा दोनों देशों के 117 प्रतिष्ठित नागरिकों ने किसी न किसी रूप में द्विपक्षीय संवाद की महत्ता पर जोर दिया है। इस बीच, ऐसी खबरें भी आईं कि कोलंबो में भारत और पाकिस्तान के रणनीतिक विशेषज्ञों और पूर्व अधिकारियों के बीच ट्रैक-2 वार्ता भी हुई। इस घटनाक्रम से वही सवाल सामने आया कि क्या भारत को पाकिस्तान के साथ औपचारिक वार्ता फिर से शुरू करनी चाहिए?

इसका उत्तर भावनाओं से नहीं, अपितु राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक यथार्थ के आधार पर दिया जाना चाहिए। बातचीत तभी सार्थक होती है जब दोनों पक्ष शांति और विश्वास का महौल बनाने के लिए तैयार हों। आज ऐसी स्थिति दिखाई नहीं देती। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को जवाब देने के क्रम में भारत ने पहली बार सिंधु जल संधि को भी स्थगित कर दिया। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवाद और सामान्य संबंध साथ-साथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि छह दशक तक भारत-पाकिस्तान संबंधों की सबसे मजबूत कड़ी मानी जाती थी। यह युद्धों के दौरान भी कायम रही, लेकिन भारत ने इसे स्थगित करके यह संकेत दिया कि यदि पाकिस्तान आतंकवाद को विदेश नीति का साधन बनाए रखेगा तो पुराने ढांचे भी सुरक्षित नहीं रहेंगे। फिलहाल नदियों का पानी प्राकृतिक रूप से पाकिस्तान की ओर बह रहा है, लेकिन संधि के तहत होने वाला संस्थागत सहयोग, तकनीकी बैठकें और नियमित संपर्क बंद हैं। पाकिस्तान ने इस फैसले को केवल जल विवाद नहीं रहने दिया। वहां के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बता रहा है। पाकिस्तान अभी गंभीर आंतरिक संकटों से गुजर रहा है। बलूचिस्तान में लगातार बढ़ते हमले इस बात का प्रमाण हैं कि वहां सुरक्षा व्यवस्था कमजोर पड़ रही है। पाकिस्तान की अनेक समस्याएं उसकी अपनी आंतरिक राजनीतिक और प्रशासनिक विफलताओं से जुड़ी हैं। गुलाम जम्मू एवं कश्मीर की स्थिति भी उसके लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

वहां कई सप्ताह से लोग महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट और राजनीतिक भेदभाव के खिलाफ सड़कों पर हैं। आंदोलन केवल आर्थिक मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि अब बेहतर शासन और राजनीतिक अधिकारों की मांग भी इसमें शामिल हो चुकी है। ऐसे समय में पाकिस्तान का पूरा ध्यान अपने घरेलू संकटों पर होना चाहिए। उधर भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रियता बढ़ा दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने पहलगाम हमले के मामले में लश्कर-ए-तोइबा के सरगना हाफिज सईद के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। साथ ही भारत वित्तीय कार्रवाई कार्यबल यानी एफएटीएफ में पाकिस्तान को फिर से ग्रे सूची में शामिल कराने के लिए नए साक्ष्य प्रस्तुत करने की तैयारी कर रहा है। यह दिखाता है कि भारत अब आतंकवाद के विरुद्ध केवल सैन्य कार्रवाई ही नहीं, बल्कि कूटनीतिक, कानूनी और आर्थिक दबाव की संयुक्त रणनीति अपना रहा है। ऐसे माहौल में यदि कोई व्यापक राजनीतिक वार्ता शुरू होती है तो उससे ठोस परिणाम निकलने की संभावना कम है। जब तक पाकिस्तान आतंकवादी ढांचे पर निर्णायक कार्रवाई नहीं करता, तब तक किसी भी उच्चस्तरीय वार्ता से अधिक उम्मीद करना व्यावहारिक नहीं होगा। विश्वास की बुनियाद के बिना संवाद केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

हालांकि इसका अर्थ यह भी नहीं कि दोनों देशों के बीच हर प्रकार का संपर्क समाप्त कर दिया जाए। व्यापक राजनीतिक वार्ता और संकट के समय आवश्यक संवाद में अंतर है। दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच हाटलाइन आज भी काम कर रही है।

सार संक्षिप्त

पुलिस ने पाक्सो एक्ट के तहत दर्ज किया मुकदमा

गंजबासौदा। गंजबासौदा में एक सात वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना शुक्रवार रात की है। जानकारी के अनुसार, बच्ची के पिता लंबे समय से पेट दर्द से पीड़ित थे। शुक्रवार रात उनके एक परिचित उनसे मिलने घर आए थे। पिता ने बच्ची की मां से चाय बनाने को कहा, जिसके बाद मां रसोई में चली गईं और पिता पीछे के कमरे में चले गए। इसी दौरान, मां ने सात साल की बच्ची से आरोपी को पानी देने के लिए कहा। बच्ची पानी का गिलास लेकर आरोपी के पास पहुंची। तभी आरोपी ने उसे अपनी गोद में बिठा लिया और उसके साथ छेड़छाड़ कर दी। घटना के समय घर में बिजली भी नहीं थी। थोड़ी देर बाद जब बच्ची अपनी मां के पास लौटी, तो उसने पूरी घटना बताई कि जो अंकल पापा से मिलने आए थे, उन्होंने मेरे साथ ऐसा किया है। इसके बाद मां ने यह बात पिता को बताई, जिससे पिता और आरोपी के बीच जमकर विवाद हुआ। घटना के बाद, पिता अपनी बच्ची और पत्नी को लेकर शहर थाने पहुंचे और पुलिस अधिकारियों को पूरा घटनाक्रम बताया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल कार्रवाई की और आरोपी को पकड़ लिया। उस पर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

लोक अदालत से बड़ी राहत, 30 चेक बाउंस मामलों में हुआ समझौता

समय जगत, धार। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती ममता जैन के मार्गदर्शन में धार जिले में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धार के सचिव एवं जिला न्यायधीश प्रदीप सोनी ने जानकारी दी कि यह आयोजन जिला न्यायालय धार सहित कुक्षी, धरमपुरी, मनावर, सरदारपुर और बदनावर में संपन्न हुआ। विशेष लोक अदालत में हुआ निपटारा धारा 138 के तहत 56 मामलों को रखा गया, जिनमें से 30 मामलों का आपसी समझौते से निपटारा किया गया। सबसे अहम बात ये रही कि करीब 49 लाख 59 हजार रुपये की राशि पर सहमति बनी। यहां तक कि 8 साल पुराने मामले में भी समझौता हुआ और सजा वाले मामले का भी निराकरण संभव हो सका। लोक अदालत के माध्यम से दोनों पक्षों को राहत मिली और कोर्ट फीस वापस करने की प्रक्रिया भी शुरू हुई।

तालाब में मिला लापता बुजुर्ग का शव, कपड़ों और चप्पलों से की परिजनों ने पहचान, पुलिस ने मामले को लिया संज्ञान में

टीकमगढ़। शहर के महेंद्र सागर तालाब में शनिवार को एक वृद्ध का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को तालाब से बाहर निकालने का काम किया जा रहा है। फिलहाल मृतक की पहचान बानपुर दरवाजा निवासी रूपनारायण सेन (76 वर्ष) के रूप में की जा रही है। मृतक का शव तालाब के बीच में तैरता हुआ दिखाई दे रहा है, मृतक के पुत्र हरीश सेन ने बताया कि उनके पिता घर से घूमने के लिए निकले थे। वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थे और काफी देर तक घर नहीं लौटे। बाद में तालाब किनारे मंदिर के पास उनके कपड़े और चप्पल मिले, जिनके आधार पर शव की पहचान की गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है तथा मौत के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भीड़ जमा हो गई और पूरे इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

नीट परीक्षा में की सफलता अर्जित

समय जगत, सुठालिया। हाल ही में घोषित किए गए नीट परीक्षा परिणाम में नगर की दो बेटियों ने सफलता अर्जित कर नगर का गौरव बढ़ाया है वही अपने माता-पीताओं का नाम भी रोशन किया है। नीट परीक्षा में नगर के वार्ड क्रमांक 2 में निवासरत रूप सिंह सेन की बेटी अक्षिता सेन ने 553 नंबर अर्जित किए हैं वही नगर के व्यावसाई कृष्ण मुरारी पालीवाल की बेटी नंदिनी पालीवाल ने 520 अंक अर्जित कर सफलता हासिल किया दोनों छात्राओं की सफलता पर परिजनों इष्ट मित्रों ने उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं उन्हें बधाई दी है। उल्लेखनीय हे की उक्त दोनों छात्राओं ने कोटा व इंदौर में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी की थी।

महिला मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण संपन्न

समय जगत, दतिया। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन को शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को न्यू कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभकाक्ष में दो चरणों में महिला मतदान कर्मियों पीओ, पीवन, पीटू व पीथ्री का प्रशिक्षण दो पालियों में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी भूपेन्द्र सिंह कुशवाह की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान मतदान प्रक्रिया, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) एवं वीवीपैट के संचालन, मतदान केंद्र पर अपनाई जाने वाली निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं, मतदाताओं को दी जाने वाली सुविधाओं तथा निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही मतदान के दौरान संभावित परिस्थितियों से निपटने और निष्पक्ष एवं पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए गए। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान कर्मियों की शंकाओं का समाधान करते हुए उन्हें निर्वाचन कार्य पूरी जिम्मेदारी, सतर्कता एवं निष्पक्षता के साथ संपादित करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान मास्टर ट्रेनस मनोज द्विवेदी, प्रो. सुधीर पाण्ड़े सहित अन्य निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुणवत्ता विहीन हो रहा है निर्माण कार्य, एक-एक फुट पर सरिया बंधाई पर भी सवाल

सुनील मिश्रा -समय जगत , शहडोल। जनपद पंचायत गोहपारू अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहतरा में निर्माणाधीन पुलिया का कार्य इन दिनों गुणवत्ता और तकनीकी मानकों को लेकर चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए इसकी निष्पक्ष तकनीकी जांच की मांग की है। उनका कहना है कि निर्माण स्थल पर न तो प्राक्कलन (सूचना) बोर्ड लगाया गया है और न ही कंक्रीट की मजबूती सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक वाइब्रेटर मशीन का उपयोग किया जा रहा है। इसके बजाय मजदूर डंडों के सहारे कंक्रीट की कंपैक्टिंग करते दिखाई दे रहे हैं, जो तकनीकी दृष्टि से गंभीर लापरवाही मानी जा रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिया निर्माण में सरिया की बंधाई भी लगभग एक-एक फीट की दूरी पर की गई है, जिससे निर्माण की मजबूती को लेकर संदेह उत्पन्न हो रहा है। उनका कहना है कि यदि सरिया की बंधाई और कंक्रीट कंपैक्टिंग दोनों ही निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हो रही हैं, तो भविष्य में पुलिया की गुणवत्ता और उसकी आयु प्रभावित हो सकती है। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि सक्षम तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगी।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आरसीसी निर्माण में वाइब्रेटर मशीन का उपयोग अनिवार्य माना जाता है, जिससे कंक्रीट के भीतर मौजूद हवा बाहर निकल जाती है और निर्माण मजबूत बनता है। यदि यह प्रक्रिया नहीं अपनाई जाती तो कंक्रीट के भीतर हनीकॉम्बिंग (खोखलापन) की संभावना बढ़ जाती है, जो आगे चलकर निर्माण की मजबूती को प्रभावित कर सकती है।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण स्थल पर योजना की लागत, स्वीकृति, कार्य एजेंसी, तकनीकी स्वीकृति और समय-सीमा जैसी जानकारी दर्शाने वाला प्राक्कलन बोर्ड भी नहीं लगाया गया है। इससे कार्य की पारदर्शिता पर प्रश्न उठ रहे हैं और आम नागरिकों को यह जानकारी नहीं मिल पा रही कि निर्माण किस योजना के तहत और कितनी लागत से कराया जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या संबंधित उपयंत्री निर्माण कार्य का नियमित तकनीकी निरीक्षण नहीं कर रहे हैं? यदि निरीक्षण किया जा रहा है, तो फिर ऐसी कथित अनियमितताओं पर अब तक रोक क्यों नहीं लगाई गई? ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी है कि कहीं निर्माण एजेंसी, सरपंच, सचिव और संबंधित तकनीकी अमले के बीच मिलीभगत के कारण तो गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जा रहा। हालांकि, इस संबंध में किसी भी प्रकार की पुष्टि केवल सक्षम जांच के बाद ही हो सकेगी।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, जनपद पंचायत और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि निर्माणाधीन पुलिया का तत्काल मौके पर निरीक्षण कराया जाए। सरिया की बंधाई, कंक्रीट कंपैक्टिंग, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और संपूर्ण निर्माण प्रक्रिया की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाए। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता या मानकों का उल्लंघन सामने आता है, तो संबंधित उपयंत्री, कार्य एजेंसी एवं अन्य जिम्मेदारों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

ग्रामीणों ने यह भी मांग की है कि निर्माण स्थल पर तत्काल प्राक्कलन बोर्ड लगाया जाए तथा कार्य से संबंधित सभी जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि सरकारी धन से कराए जा रहे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे और गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न हो।

इस बारे में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू का कहना है कि सहायक यंत्री को मैंने बोल दिया है जांच करने को जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।

आईजी सचिन अतुलकर ने पुलिस कंट्रोल रूम में की उप चुनाव में सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा

अधिकारियों को दिये गये आवश्यक निर्देश

दतिया। उपचुनाव को लेकर मैदान में उतरे आईजी सचिन अतुलकर ने शनिवार को दतियक पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस अफसरों के साथ बैठक कर उप चुनाव में होने वाली तैयारियों का जायजा लेते हुए समस्त पुलिस अफसरों को शांति पूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान कराने के निर्देश दिए। बैठक में आईजी श्री अतुलकर ने 2023 से जुलाई 2026 तक हुए अपराधों की समीक्षा भी की तथा चुनाव के दौरान मोबाइल पार्टियों को भी अलर्ट रहने के दिए निर्देश। पोलिंग बूथों पर कड़ी

सुरक्षा एवं निगरानी के लिए विशेष निर्देश देते हुए कई पोलिंग बूथ ग्रामीण एरिया में ऐसे हैं जहां नेटवर्क समस्या होने से मोबइल और वायरलेस की जगह अन्य वैकल्पिक व्यवस्था की जाना चाहिए। इससे पूर्व दतिया पहुंचने पर पुलिस कप्तान मयूर खंडेलवाल ने आईजी सचिन अतुलकर को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया।

चुनाव ड्यूटी में आने वाले फ़ोर्स की ठहरने एवं भोजन पानी सहित अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की। चैकिंग अभियान निरंतर जारी रखने के दिए निर्देश। इस दौरान डीआईजी सुनील कुमार जैन, एसपी मयूर खंडेलवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंजीत सिंह चावला सहित जिले के समस्त पुलिस अफसर बैठक में मौजूद रहे।

अंततः कांग्रेस नेता अवधेश नायक पार्टी का अंग वस्त्र धारण कर उतरे चुनाव प्रचार के समर में

समय जगत, दतिया। विसम परिस्तिथियों के चलते वरिष्ठ कांग्रेस नेता अवधेश नायक टिकट वितरण के बाद से असंतुष्ट होकर अपने घर बैठ गए थे। अवधेश नायक को मनाने के लिए कांग्रेस व भाजपा के बड़े से बड़ा नेता उनके पास पहुंचे परंतु उन पर कोई असर नही पडा और अंतत : अवधेश नायक लगभग सात दिन बाद राजनैतिक कोप भवन को तोडते हुए कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के समर्थन में कांग्रेस का गमछा पहनकर चुनाव प्रचार के लिए सबके बीच पहुंचे। श्री नायक के इस साहसी कदम की आम जनता के साथ उनके शुभचिंतकों व कांग्रेसियों ने खुले दिलो-दिमाग से सराहना की। श्री नायक के कांग्रेस कार्यालय पहुंच कर कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के लिए प्रचार कार्य करने से निश्चित तौर पर बहुत बडी मजबूती मिलेगी।

सोनम के समर्थन में आयोजित किया गया धरना- प्रदर्शन

समय जगत, मैहर। भीम आर्मी भारत एकता मिशन, जिला मैहर के तत्वावधान में शनिवार को घंटाघर चौराहे पर वैज्ञानिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के समर्थन में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक की घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। धरने का नेतृत्व भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट विक्रम सूर्यवंशी ने किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़े परीक्षा तंत्र में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जानी चाहिए तथा पेपर लीक जैसी घटनाओं की प्रभावी रोकथाम के लिए कठोर कदम उठाए जाने चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सोनम वांगचुक के आंदोलन के प्रति अपना समर्थन भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजीत वर्मा, एडवोकेट प्रदीप सूर्यवंशी, दीपक प्रजापति, सतीश बुनकर, शिवेंद्र रघुवंशी, नागेंद्र चौधरी, धीरज साकेत, सुखेंद्र रवि, शिवम चौधरी, करण चौधरी, रोशनी दीपांकर, खुशी कोल, आकाश सूर्यवंशी, ऋतिक साकेत, दिनेश प्रजापति, रामकृष्ण प्रजापति एवं सतेंद्र प्रजापति सहित बड़ी संख्या में भीम आर्मी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेतृत्व के संस्कार- एडवांस्ड किड्स एकेडमी में छात्र परिषद और चार सदनों का गठन

समय जगत जीरापुर। विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने के उद्देश्य से एडवांस्ड किड्स एकेडमी स्कूल में शनिवार को भव्य अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीरापुर थाना प्रभारी हुकुम सिंह मीणा रहे उन्होंने छात्र परिषद के नव मनोनीत पदाधिकारियों को बैज लगाकर सम्मानित किया और बच्चों को अनुशासन, ईमानदारी और देशभक्ति का संदेश दिया इस वर्ष छात्र परिषद का गठन साक्षात्कार के आधार पर किया गया जिसमें निम्न विद्यार्थियों को दायित्व सौंपे गए , छात्र परिषद हेड बॉय- बृजमोहन दांगी , हेड गर्ल- अल्फिया मंसूरी, डिप्टी हेड बॉय-दुष्यंत सिंह खींची,डिप्टी हेड गर्ल- अनुष्का जैन,खेल कप्तान- दीपक चौहान-खेल सह-कप्तान- कोमल सोनगिरा,अनुशासन सचिव- श्रीनाथ पाटीदार, यशिका शर्मा, अर्जुन सिंह दांगी, अंशिका गुप्ता वही सांस्कृतिक सचिव - माहि जायसवाल, आरव मालवीय विद्यालय में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु चार सदनों का गठन भी किया गया वर्षभर इन सदनों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी सदन एवं कप्तान 1जल सदन- कप्तान नमन व्यास,सह-कप्तान साक्षी गुप्ता 2 पृथ्वी सदन- कप्तान काशी शर्मा, सह-कप्तान जयंत दांगी 3 वायु सदन - कप्तान मनीष वर्मा, सह-कप्तान लक्ष्मी विश्वकर्मा 4 अग्नि सदन - कप्तान अंजलि दांगी, सह-कप्तान सोनू बैरागी कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय निदेशक गिरिराज गुप्ता ने की इस दौरान प्रधानाचार्य ई. के. जोशी ने कहा कि ÷हमारा प्रयास है कि हर बच्चा पढ़ाई के साथ संस्कार, खेल और नेतृत्व में भी आगे बढ़े यही चहुंमुखी विकास है।÷इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एसआई संतोष सिंह एवं एसआई सुश्री मोनिका राय भी उपस्थित रहीं कार्यक्रम का सफल संचालन सुश्री बरखा गुप्ता एवं सुश्री दीपिका बिश्रा ने किया अंत में हेमन्त त्रिवेदी ने आभार व्यक्त किया समस्त विद्यार्थियों को शारीरिक शिक्षक विशाल यादव द्वारा प्रशिक्षण दिया गया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हजारों किसानों के साथ ज्ञानेंद्र सिंह ने किया सीएम मोहन यादव का भव्य स्वागत

बैलगाड़ी और मौनिया नृत्य बने आकर्षण का केंद्र

समय जगत, टीकमगढ़। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के टीकमगढ़ दौरे के दौरान तेज होटल के बहार भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह ने किसानों एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ उनका पुष्प वर्षा व पुष्पमालाओ से स्वागत किया। मुख्यमंत्री का काफिला स्वागत स्थल पर कुछ देर के लिए रुका, जहां ज्ञानेंद्र सिंह और कप्तान सिंह यादव ने किसानों एवं कार्यकर्ताओं के साथ पुष्पमालाओं से मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने वाहन से उतरकर उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की उपस्थिति देखने को मिली। स्वागत के दौरान पारंपरिक बैलगाड़ियां और मोनिया नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहे। आयोजन में किसान मोर्चा के नेतृत्व की सक्रियता और किसानों की

भागीदारी स्पष्ट रूप से नजर आई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हित में लगातार ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। किसानों के सम्मान, सिंचाई, कृषि विकास और ग्रामीण अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। इसी विश्वास और आभार के भाव से जिले के हजारों किसान मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए पहुंचे थे। मुख्यमंत्री के काफिले के कुछ देर रुकने और किसानों के बीच पहुंचकर उनका अभिवादन स्वीकार करने का यह आत्मीय क्षण पूरे आयोजन का प्रमुख आकर्षण बन गया। शहरभर में इस भव्य स्वागत की चर्चा होती रही और ज्ञानेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुए इस आयोजन को किसान मोर्चा की संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक माना गया।

भक्ति और आस्था के माहौल में आयोजित हुई भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य रथयात्रा

समय जगत, पांढुरना। भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य एवं दिव्य रथयात्रा रविवार को पांढुरना नगर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। रथयात्रा शंकर नगर स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होकर गुरुदेव सेवा मंडल तक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने जय जगन्नाथ के जयघोष के साथ भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। धार्मिक वातावरण, भजन-कीर्तन और भक्तों की अपार आस्था ने पूरे नगर को भक्तिमय बना दिया।

रथयात्रा के शुभ अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष संदीप घाटोड़े ने भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु के श्रीचरणों में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नगरवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य, शांति एवं खुशहाली की मंगलकामना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री जगन्नाथ की रथयात्रा हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक समरसता, भाईचारे और लोककल्याण का दिव्य संदेश देती है। यह पर्व समाज को एकजुट होकर सेवा, सद्भाव और धार्मिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

नगरपालिका अध्यक्ष ने भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु से प्रार्थना करते हुए कहा कि उनकी कृपा सभी नगरवासियों पर बनी रहे तथा पांढुर्णा नगर निरंतर विकास, वैभव और धार्मिक चेतना के मार्ग पर अग्रसर होता रहे। उन्होंने सभी नागरिकों के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना करते हुए ष्सबका मंगल, सबका कल्याण और सबके जीवन में सुख-समृद्धि का वास होष् का संदेश दिया।

रथयात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के पदाधिकारी और नगरवासी उपस्थित रहे। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ महाप्रभु का पुष्पवर्षा एवं जयघोष के साथ स्वागत किया, जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना रहा।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 रॉयल हाईट्स स्कूल में पुलिस का जागरुकता कार्यक्रम

जीरापुर। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी ऋनशे से दूरी है जरूरी 2.0ऋ जन जागरूकता अभियान अंतर्गत शनिवार को रॉयल हाईट्स हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जागरूक करना था कार्यक्रम में थाना प्रभारी हुकुम सिंह मीणा ,एसआई संतोष सिंह एवं महिला एसआई सुश्री मोनिका उपस्थित रहीं थाना प्रभारी हुकुम सिंह मीणा ने कहा कि ऋनशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवार और समाज को गंभीर रूप से प्रभावित करता है विद्यार्थी स्वयं नशे से दूर रहें और अपने मित्रों एवं परिवार को भी इसके प्रति जागरूक करें एसआई संतोष सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासित जीवन, अच्छे संस्कार और सामाजिक जिम्मेदारियों का महत्व समझाते हुए कहा कि ऋयुवा पीढ़ी यदि सही मार्ग का चयन करे तो समाज को नशामुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम के दौरान महिला एसआई मोनिका ने विशेष रूप से बालिकाओं को गुड टच एवं बैड टच के विषय में विस्तार से जानकारी दी उन्होंने सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श की पहचान, आत्मरक्षा के उपाय, किसी भी अनुचित व्यवहार का साहसपूर्वक विरोध करने तथा ऐसी स्थिति में तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षकों अथवा पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया उन्होंने कहा कि ऋजागरूकता ही सुरक्षा का सबसे सशक्त माध्यम है।

भाण्डेर पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही कर 5 हजार लीटर सामग्री को किया नष्ट

दतिया। विधानसभा उपचुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मयूर खण्डेलवाल के निर्देशन एवं एसडीओपी भाण्डेर पूनम चन्द्र यादव के नेतृत्व में 18 जुलाई 2026 को थाना भाण्डेर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पथरिया ततातरपुर कंजर डेरा में दबिश दी। दविश के दौरान पुलिस टीम को मौके पर झाड़ियों में 25 ड्रमों में लगभग 5000 लीटर लहान अवैध शराब निर्माण हेतु कच्चा पदार्थ मौके पर नष्ट किया एवं 2 प्लास्टिक कैनों में 90 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब को जप्त कर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध किया।

उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक भाण्ड़ेर सोबरन सिंह तोमर सहित पुलिस फोर्स की सराहनीय भूमिका रही।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पूर्व में बनी पासपोर्ट के अनुसार जेहरा बाई कादरी (Zehra Bai Qadri) से परिवर्तित होकर मेरा नया नाम उपनाम सहित फातेमा जेहरा (Fatema Zehra) हो गया है अत : अब मुझे मेरे नए नाम से जाना एवं पहचाना जाए पता- म.नं. ई-05 एफ, सादिक विला, सेंट्रल ग्रीन पार्क कॉलोनी हाउसिंग बोर्ड करोंद, मोतीलाल नगर भोपाल 462038 (मध्य प्रदेश) मो.नं. 9826561930

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम पूर्व में बनी पासपोर्ट के अनुसार हातिम अली कादरी (Hatim Ali Qadri) से परिवर्तित होकर मेरा नया नाम उपनाम सहित हातिम अली (Hatim Ali) हो गया है अत : अब मुझे मेरे नए नाम से जाना एवं पहचाना जाए पता- म.नं. ई-05 एफ, सादिक विला, सेंट्रल ग्रीन पार्क कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड करोंद, मोतीलाल नगर भोपाल 462038 (मध्य प्रदेश) मो.नं. 9826561930

विधानसभा से लेकर कलेक्टर तक गूंजी कार्रवाई की मांग

नगर पालिका घोटाले ने पकड़ा तूल

समय जगत, टीकमगढ़। नगर पालिका परिषद टीकमगढ़ में सामने आई कथित वित्तीय एवं अन्य गड़बड़ियों का मामला अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। खास बात यह है कि इस बार केवल कांग्रेस ही नहीं, बल्कि भाजपा के पार्षदों ने भी दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई है। कांग्रेस और भाजपा पार्षदों द्वारा कलेक्टर को दिए गए पत्र सार्वजनिक किए गए, जिससे मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया।

मामले की गूंज अब विधानसभा तक पहुंच चुकी है। नियम 138(1) के तहत विधानसभा अध्यक्ष को दी गई सूचना में नगर विकास एवं आवास मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए सवाल उठाया गया है कि जब जांच रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मलिक को पद से हटाकर पांच वर्षों के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया गया, तो उसी जांच में दोषी पाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई, विधानसभा को भेजी गई सूचना में उल्लेख किया गया है कि तीन सदस्यीय जांच दल ने 23 जनवरी 2026 को अपनी रिपोर्ट में तत्कालीन अध्यक्ष सहित 15 अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं का जिम्मेदार माना था। इसके बावजूद शासन ने केवल

निर्वाचित अध्यक्ष पर कार्रवाई की, जबकि अन्य जिम्मेदार अधिकारी आज भी अपने पदों पर कार्यरत हैं। इसे लेकर कार्रवाई में भेदभाव के आरोप लगाए गए हैं।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू ने कलेक्टर को दिए ज्ञापन में मांग की है कि जांच में दोषी पाए गए सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को तत्काल निलंबित कर विभागीय एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि जनप्रतिनिधि पर कार्रवाई हो सकती है तो शासन के स्थायी प्रतिनिधि रहे अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी समान रूप से कार्रवाई होना न्यायसंगत है। ज्ञापन की प्रति नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त को भी भेजी गई है।

भाजपा पार्षद भी आए साथ: इस पूरे मामले में भाजपा पार्षदों का खुलकर सामने आना राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्रवाई की मांग करने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नवीन साहू, नपा उपाध्यक्ष सुषमा-संजय नायक, कांग्रेस पार्षद अनीस अहमद, नफीसा फरीद खान, पूनम जायसवाल, ऊषा-सुरेंद्र सोनी, देवीदयाल अहिरवार के साथ भाजपा पार्षद राखी-ध्रुव यादव, रामकुमार यादव, अरविंद्र रजक तथा निर्दलीय पार्षद अंशुल जैन भी शामिल हैं।

इन जिम्मेदारों के नाम जांच में आए: नगरीय प्रशासन की जांच रिपोर्ट में तत्कालीन अध्यक्ष के साथ 13 अधिकारी कर्मचारी सहित अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

भंडारे के साथ जग के नाथ की रथयात्रा का हुआ समापन

समय जगत, उचेहरा। अटूट आस्था और विश्वास के साथ नगर में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा महा महोत्सव का समापन भगवान के महाप्रसाद कढ़ी भात के प्रसाद के वितरण के साथ हो गया। रथयात्रा प्राचीन नरसिंह अखाड़े से 16 को नगर के मुख्य मार्ग होते श्री संकट मोचन मन्दिर प्रांगण में विश्राम हुआ और 18 को पुनः रथ यात्रा शायम काल 5 बजे के करीब बस स्टैण्ड,पुराना मैहर रोड ,परसमनिया मार्ग होते 4 दिनी यात्रा का भंडारे के साथ नरसिंह अखाड़े में समापन हो गया। नगर में निकलने वाली रथ यात्रा को लेकर हर वर्ग में भारी उत्साह देखा गया जिस मार्ग से रथ यात्रा निकली महिलाएं मंगल कलस,पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। विदाई विदाई होती है चाहे इंसान की हो या भगवान की रथयात्रा के विश्राम स्थल श्री संकट मोचन मंदिर समिति द्वारा दो दिनों तक विविध प्रकार के धार्मिक आयोजन किये गये थे समिति ने भक्तो को जी खोल कर प्रसाद ग्रहण कराया भगवान को भी छप्पन भोग लगाये ,भजन संध्या का आयोजन हुआ इसके साथ ही समिति ने सभी के लिए भगवान से मंगल कामना के लिए प्रार्थना की।

जगह- जगह हुआ स्वागत: रथयात्रा प्रारम्भ से यात्रा का समापन तक जगह जगह स्वागत हुआ। विश्राम उपरांत आगे की शुरू हुई यात्रा का बस स्टैण्ड में जुगराज ताम्रकार सहित अन्य भक्तो की अगुवाई में जहां स्वागत हुआ वही प्रसमनियाँ मार्ग में गौरी संकर मंदिर समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

संक्षिप्त समाचार

दिव्य व भव्य कलश यात्रा का किया गया आयोजन

समय जगत, बिस्टान। नगर क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने श्रीमद्भागवत कथा के प्रथम दिवस श्रीमद्भागवत स्थल तक भव्य कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं ने सुमधुर भजनों पर झूम कर भगवान की भक्ति की। इस अवसर पर मनोरथी लक्ष्मीनारायण सूर्यकर ने सपत्नीक भगवतजी श्रद्धा के साथ सिर पर धारण की। नेमिषारण्य के चक्रतीर्थ से भागवत स्थल तक कलश यात्रा आयोजन के बाद व्यासपीठ से भगवताचार्य पंडित विजय गीते ने श्रद्धालुओं को बताया कि नेमिषारण्य की पावन भूमि पर ऋषि मुनियों ने सूतजी महाराज से जीव के मोक्ष, मनुष्य को सुख के लिए पूछने पर श्रीमद्भागवत भागवत कथा कराने सुनने के उपाय बताए थे। 23 हजार वर्ष तक सूतजी महाराज सुखदेव जी महाराज आदि तपस्वी ऋषियों ने तप किया था। व्यासपीठ से भगवताचार्य ने श्रीमद्भागवत कथा का विस्तार से महत्व बताया। उन्होंने कहा कि कथा सुनने से जीव को परम सुख और अंत मे बैकुंठधाम या मोक्ष की प्राप्ति होती है। सुमधुर भजनों पर महिलाओं ने झूम कर भक्तिभाव से कथा श्रवण की।

हीरो शोरूम में लगा माइलेज चेकअप कैंप,एचएफ डीलक्स ने दिया बेहतर माइलेज : लक्ष्मण सिंह राजपूत

समय जगत,हरदा। स्थानीय राहुल मोटर्स हीरो शोरूम में दोपहिया वाहन उपभोक्ताओं के लिए विशेष माइलेज चेक-अप कैंप का आयोजन किया गया। कैंप का मुख्य उद्देश्य ग्राहकों को उनकी मोटरसाइकिल के माइलेज की वास्तविक स्थिति से अवगत कराना एवं बेहतर रखरखाव के प्रति जागरूक करना था। कैंप में विशेष रूप से हीरो डीलक्स मोटरसाइकिलों का माइलेज परीक्षण किया गया। इस दौरान 20 ग्राहकों की मोटरसाइकिलों का माइलेज जांचा गया, जिसमें एचएफ डीलक्स ने बेहतर एवरेज देकर अपनी ईंधन दक्षता साबित की। कैंप में आबिद खान, अजय कीर, रामोतार, कृष्णा एवं शिवदास सहित कई ग्राहकों ने अपनी मोटरसाइकिलों का परीक्षण कराया। राहुल मोटर्स के संचालक लक्ष्मण सिंह राजपूत ने बताया कि इस प्रकार के कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को बेहतर माइलेज प्राप्त करने के लिए नियमित सर्विसिंग, सही टायर प्रेशर तथा सुरक्षित ड्राइविंग की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ग्राहकों की सुविधा के लिए ऐसे जागरूकता एवं सेवा शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी में निरीक्षण के दौरान अनुपस्थिति पाये गये कर्मचारियों को लेकर जारी किये गये सख्त निर्देश

समय जगत, सिवनी। शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखण्ड कुरई के एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान प्रभारी प्राचार्य सहित 7 शिक्षक एवं कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाने पर उनके वेतन काटने की कार्रवाई की गई है। 18 जुलाई 2026 को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, कुरई द्वारा एकीकृत हाईस्कूल ग्वारी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रभारी प्राचार्य श्री चित्तौड़सिंह कुसराम लगातार दो दिनों से अनुपस्थित पाए गए। इसके अलावा विद्यालय के 5 शिक्षक एवं 2 कर्मचारी भी 18 जुलाई को अनुपस्थित मिले, जिससे विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था प्रभावित हुई। विकासखण्ड कुरई से प्राप्त प्रतिवेदन के परीक्षण उपरांत सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, सिवनी ने प्रभारी प्राचार्य श्री चित्तौड़सिंह कुसराम का 2 दिनों का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही श्री जयसिंह चौधरी (प्रधानपाठक), श्री विवेक सराफ, श्री प्रकाश राय, श्री धनेन्द्र कुमार (माध्यमिक शिक्षक), श्रीमती वंदना गिरी गोस्वामी (प्राथमिक शिक्षक), श्री मनोज राय (अंशकालीन कर्मचारी) तथा श्रीमती सुषमा नरेती (भृत्य) का 18 जुलाई 2026 का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश विकासखण्ड अधिकारी, कुरई को जारी किए गए हैं। सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि शासकीय विद्यालयों में अनधिकृत अनुपस्थिति एवं शैक्षणिक कार्य में लापरवाही को गंभीरता से लिया जाएगा तथा भविष्य में भी इस प्रकार की अनियमितताओं पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व सिवनी लोकसभा सीट की बहाली की मांग फिर तेज परिसीमन से पहले एकजुट होने का किया गया आव्हान

समय जगत, सिवनी। पूर्व सिवनी लोकसभा सीट की बहाली की मांग एक बार फिर उठी है। आगामी परिसीमन को देखते हुए जिले को पुन : स्वतंत्र लोकसभा क्षेत्र बनाने अथवा पूरे जिले को एक ही संसदीय क्षेत्र में शामिल करने की मांग की गई है। मांग करने वालों का कहना है कि सिवनी की अलग राजनीतिक पहचान और विकास को मजबूत करने के लिए सभी नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक संगठनों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए। उनका विश्वास है कि लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण प्रयासों से सिवनी अपनी पूर्व राजनीतिक पहचान फिर हासिल कर सकता है।

किशोर के संदर्भ में थाने में दिया गया आवेदन

समय जगत, हमीरपुर। सुमेरपुर थाना क्षेत्र के कुंडौरा गांव में घर से लापता हुए एक किशोर के तीन दिन बाद अपनी बुआ के घर मिलने पर विवाद खड़ा हो गया। किशोर के माता-पिता ने आरोप लगाया है कि बुआ ने बच्चे के अपने घर में होने की जानकारी परिवार को नहीं दी। मामले में थाने में लिखित तहरीर देकर जांच और कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के अनुसार, पिता छुट्टन की डांट से नाराज होकर किशोर घर से चला गया था। परिजनों ने तीन दिनों तक उसकी लगातार तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।

नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय के बालकों को किया गया जागरुक

समय जगत,हरदा। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार संचालित नशे से दूरी है जरूरी जन-जागरूकता अभियान के अंतर्गत एसडीओपी कार्यालय,टिमरनी में स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीओपी) टिमरनी एवं थाना प्रभारी,टिमरनी द्वारा विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव,नशे के कारण होने वाली शारीरिक,मानसिक एवं सामाजिक हानियों तथा इससे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने,अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश प्रसारित करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर गायत्री परिवार, हरदा के जिला संयोजक प्रेम नारायण गौर व अन्य सदस्यों ने भी सहभागिता करते हुए युवाओं को नैतिक मूल्यों,सकारात्मक सोच एवं नशामुक्त जीवन के महत्व से अवगत कराया तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सभी से सक्रिय सहयोग की अपील की। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों ने नशे से दूर रहने एवं अपने परिवार,मित्रों तथा समाज में भी नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने का संकल्प लिया।हरदा पुलिस द्वारा जनसामान्य से अपील की गई है कि यदि कहीं भी मादक पदार्थों के अवैध क्रय-विक्रय अथवा सेवन संबंधी जानकारी प्राप्त हो तो तत्काल पुलिस को सूचित करें तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

साउथ एशियाई फुटबॉल चैंपियनशिप में एकाक्ष तिवारी ने दिलाया देश को रजत

समय जगत, उज्जैन। कार्मेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र एकाक्ष तिवारी ने भूटान में 12 से 14 जुलाई तक आयोजित अंतरराष्ट्रीय एशियन नाइन-ए-साइड साउथ एशिया फुटबॉल चैंपियनशिप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीतकर विद्यालय, शहर और देश का नाम रोशन किया है। चैंपियनशिप में 10 देशों की टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में मेजबान भूटान ने प्रथम, भारत ने द्वितीय और चीन ने तृतीय स्थान हासिल किया। भारतीय टीम की इस उपलब्धि में एकाक्ष तिवारी का प्रदर्शन सराहनीय रहा। विद्यालय प्रबंधन के अनुसार, एकाक्ष की सफलता में स्कूल के खेल शिक्षकों के मार्गदर्शन और नियमित प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं, विद्यालय की प्राचार्या डॉ. सिस्टर कृपा मारिया के सतत प्रोत्साहन और आशीर्वाद ने भी उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। एकाक्ष की इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य तथा आगामी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी हैं।

सुमेरपुर में वर्षों पुराने कुएं को लेकर विवाद, तोड़फोड़ का आरोप

समय जगत हमीरपुर। सुमेरपुर कस्बे की सब्जी मंडी स्थित जामा मस्जिद के पास मौजूद वर्षों पुराने कुएं को लेकर एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि कुएं की जगत को तोड़कर उस पर कब्जा करने का प्रयास किया गया है। मामले में स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों ने विरोध जताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। रामेन्द्र गुप्ता, मृत्युंजय गुप्ता, महेश गुप्ता सहित अन्य लोगों ने उपजिलाधिकारी व थाना सुमेरपुर को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि उक्त कुआं वर्षों पुराना है और इससे क्षेत्र के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वर्ष 2019-20 में भी कुएं को तोड़कर कब्जा करने का प्रयास किया गया था, लेकिन तत्कालीन एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद कार्रवाई रोक दी गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक बार फिर कुएं की जगत को तोड़ दिया गया है। स्थानीय व्यापारियों और कस्बेवासियों ने प्रशासन से कुएं को सुरक्षित रखने, मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि अवैध तोड़फोड़ हुई है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, समाचार लिखे जाने तक प्रशासन की ओर से मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया था। पुलिस और प्रशासन का कहना है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गोरखनाथ कॉलोनी और कन्या स्कूल में पुलिस ने जनजागरुकता कार्यक्रम किया आयोजित

समय जगत, आमला। थाना आमला क्षेत्रांतर्गत नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 18 जुलाई को दो स्थानों पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। थाना आमला से प्राप्त जानकारी अनुसार अभियान के अंतर्गत आमला पुलिस ने नगर की गोरखनाथ कॉलोनी में स्थित झुग्गी-झोपड़ियों में पहुंचकर जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने नशे के आदी व्यक्तियों एवं उनके परिजनों को नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्रों की विस्तृत जानकारी दी। पुलिसकर्मियों ने आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में बताया और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई।

वहीं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक बालिका स्कूल में थाना आमला की टीम ने पहुंचकर यहां छात्राओं और स्टाफ को नशे के दुष्प्रभावों और समाज पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में जागरूक किया गया। साथ ही नशे के आदी लोगों के परिजनों को नशा मुक्ति केंद्रों की जानकारी दी गई और सभी को नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प दिलाया गया। थाना प्रभारी आमला मुकेश ठाकुर ने बताया कि नशे की रोकथाम के लिए यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस का उद्देश्य आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक कर समाज को नशा मुक्त बनाना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी, स्कूल की छात्राएं, शिक्षकगण और पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन शुद्धि के तहत बोड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 11.35 ग्राम स्मैक के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

समय जगत, बोड़ा। राजगढ़ जिले में पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी (आईपीएस) के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन शुद्धि अभियान के तहत थाना बोड़ा पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 11.35 ग्राम अवैध स्मैक (अनुमानित कीमत 1.40 लाख) जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे के निर्देशन एवं एसडीओपी नरसिंहगढ़ प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, 13 मई 2026 को मुखबिर की सूचना पर ग्राम गुलखेड़ी निवासी सुधीर सिंधी सिसोदिया एवं शोभा सिसोदिया से 40.30 ग्राम स्मैक (कीमत लगभग 5 लाख) जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने आगे कार्रवाई करते हुए तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सुरजीत उर्फ बंगाली सांसी (गुलखेड़ी), गफ्फार मंसूरी (उड़नखेड़ी, थाना पचोर) तथा शीतल सांसी (गुलखेड़ी) शामिल हैं। इनके कब्जे से क्रमशः 5.59 ग्राम, 3.26 ग्राम एवं 2.50 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इस प्रकार कुल 11.35 ग्राम अवैध स्मैक जब्त की गई। पुलिस ने तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जिला जेल राजगढ़ भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह राजपूत, सउनि समीर खान, सउनि मधुसूदन शर्मा, आरक्षक कपिल अटारिया, दुष्यंत जाट, मुलायम सिंह यादव, गजेंद्र, सुनील सोलंकी, विनोद, सैनिक देवेंद्र तथा महिला आरक्षक पूजा मुबेल का सराहनीय योगदान रहा।

पत्थरगढ़ी उखाड़ने वालों पर दर्ज होगी तत्काल एफआईआर: जिलाधिकारी

समय जगत, चित्रकूट। शासन के मंशानुरूप जनसमस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आज मऊ तहसील सभागार में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता मे एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में %सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्युत, चकबंदी, पैमाइश (पत्थरगड़ी), चकरोड एवं जलभराव (नाले) आदि विभागों से संबंधित विभिन्न शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने भू-राजस्व अधिनियम की धारा-24 (पैमाइश) के अंतर्गत पत्थरगढ़ी उखाड़ने के मामलों को अत्यंत गंभीरता से लिया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि जनपद में विधिक पैमाइश के पश्चात पत्थरगढ़ी उखाड़ने का कोई भी प्रकरण संज्ञान में आता है, तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कराई जाए। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने पूर्व में प्राप्त दो पत्थरगढ़ी उखाड़ने की सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई करते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज करने के कड़े निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) को निर्देशित किया कि जिन लेखपालों के क्षेत्रों से अत्यधिक जनशिकायतें प्राप्त हो रही हैं, उनकी जवाबदेही व जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आज के समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का लेखपाल क्षेत्रवार अद्यतन विवरण तत्काल उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

भूमि विवादों के संदर्भ में जिलाधिकारी ने कहा कि राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम अनिवार्य रूप से स्थलीय निरीक्षण करे और मौके पर जाकर पारदर्शी व स्थायी निस्तारण

सुनिश्चित कराए। उन्होंने उप जिलाधिकारी मऊ एव उपस्थित अधिकारियों को सचेत किया कि समस्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए ताकि आमजन को अपनी समस्याओं के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित थाना प्रभारियों को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने जनपद में सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाए रखने मुस्तैदी के साथ कानून का शासन स्थापित रखा जाए और सभी पुलिस अधिकारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।

पुलिस अधीक्षक ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि महिलाओं से संबंधित जो भी प्रकरण अथवा शिकायतें प्राप्त होती हैं, उनका प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।

इसी क्रम में जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मऊ में संपूर्ण समाधान दिवस में 101 प्रार्थना पत्र में 8, कर्वी में 94 में 8, राजापुर 61 में 5, मानिपुर, 86 में 2 का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ महेंद्र कुमार त्रिपाठी, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल धर्मन, उप जिलाधिकारी मऊ श्री आर आर रमन सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

ज्वेलर्स की दुकान में चोरी के आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

दीवार में छेद कर ले उड़े लाखों की चांदी

समय जगत, दमोह। पथरिया नगर में गत सुबह लोगों को पता लगा कि मुखर्जी मार्केट में प्रकाशचंद सराफ ज्वेलर्स की दुकान पर दीवार में छेद कर वहां से लाखों की चांदी चोर ले उड़े। दरअसल यह चोरी प्रकाशचंद सराफ की दुकान पर पहली चोरी नहीं है। उन्होंने बताया लगभग 10 वर्षों में मेरी दुकान पर 6 बार ऐसी वारदातें हो चुकी है। जिसका खुलासा अब तक पुलिस द्वारा नहीं किया गया। इस बार भी सुबह मेरे पास स्थानीय लोगों का फोन आया और उनके द्वारा बताया गया कि मेरी दुकान के पीछे दीवार में सुराग कर चोर दुकान का सामान ले उड़े हैं। मौके पर जब में दुकान पहुंचा तो वहां बताई गई स्थिति यथावत थी, इसके उपरांत पथरिया थाना में इसकी सूचना दी जिसके बाद पुलिस ने आकर शटर खोल जायजा लिया। जिसमें दुकान से लाखों की चांदी और कई अन्य कीमती सामान गायब था। दुकान मालिक प्रकाश चंद सराफ और मिट्टू सराफने बताया कि अनुमानित 4 से 5 किलो चांदी जिसकी वर्तमान कीमत 10 लाख रुपए से अधिक है। वह गायब है। अलमारी में रखी दो सोने की झुमकी, 250 ग्राम चांदी का मुकुट और दुकानों पर जो डमी रखी होती है उन्हें भी चोर अपने साथ ले गए है। वहीं जब पुलिस द्वारा घटना स्थल की शिनाख्त की तो उन्हें बच्चे के पैरों के निशान जिन डिब्बों में चांदी रखी थी। उनके खाली डब्बे मोतियों की काली मालाएं आदि प्राप्त हुए। इसके अलावा चोरी करने वाले की फुटेज कमरे में कैद हुई है। इस बड़ी घटना की गुत्थी सुलझाने दमोह से फिंगर प्रिंट टीम को बुलाया गया जिसने लगभग 1 घंटे तक मौके से कई सारे फिंगर प्रिंट और कई सारे सुराख खंगाले जिसकी सहायता से आगे कार्यवाही और चोरों को पकड़ने में सहायता मिलेगी। पुलिस उक्त चोरी के आरोपियों की तलाश में सक्रिय हो गई है।

अनुसूचित जाति बस्ती में ट्रांसफॉर्मर लगाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

समय जगत, पन्ना। पन्ना जिले की ग्राम पंचायत बिलखुरा की अनुसूचित जाति बस्ती में आज तक विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित नहीं किए जाने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस्ती के परिवार वर्षों से दूसरे मोहल्ले के ट्रांसफॉर्मर से तारों के माध्यम से बिजली लेकर किसी तरह अपना जीवनयापन कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के कुछ दबंग लोग बार-बार उन तारों को काट देते हैं अथवा बिजली आपूर्ति बाधित कर देते हैं, जिससे पूरी बस्ती अंधेरे में डूब जाती है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर डॉ. जितेंद्र सिंह जाटव, प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष, अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग युवा संगठन के नेतृत्व में अनुसूचित जाति बस्ती के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर पन्ना को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि अनुसूचित जाति बस्ती में शीघ्र अलग से विद्युत ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराया जाए, ताकि ग्रामीणों को स्थायी रूप से बिजली उपलब्ध हो सके और उन्हें बार-बार होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिल सके। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में विद्युत विभाग को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र हस्तक्षेप कर समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। जिला कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा अनुसूचित जाति बस्ती में ट्रांसफॉर्मर स्थापित कराने के लिए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया। ज्ञापन के दौरान नंदलाल वर्मा, रामाधार वर्मा, संत कुमार वर्मा, रामसेवक वर्मा, मुन्ना वर्मा, देवकरण वर्मा सहित अनुसूचित जाति बस्ती के अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मानसून की बेरुखी ने क्षेत्र के किसान हो रहे हैं परेशान

समय जगत, बिस्टान । मानसून की बेरुखी ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है ।पिछले 10 दिनों से बारिश नहीं होने से कपास, मक्का, सोयाबीन , और सब्जियों की फैसले मुरझाने लगी है ।खेतों की नमी खत्म होने लगी है ।जमीन में दरारें पर रही हैं और किसानों को अब दोबारा बोनी का खतरा सताने लगा है किसानों का कहना है कि यदि अगले 6, 7, दिनों में अच्छी बारिश नहीं हुई ।तो लाखों रुपए का निवेश संकट में पड़ जाएगा । इस वर्ष शुरुआती बारिश से किसानों ने समय पर बोनी कर अच्छी पैदावार की उम्मीद की थी ।लेकिन लंबे अंतराल से बारिश नहीं होने के कारण फसलों की बढ़वार रुक गई है ।तेज धूप और उमस से खेत सूख रहे हैं ।वहीं फसलों में रोगों का प्रकोप भी बढ़ने लगा है ।वर्तमान में किसान कुवे ,टियूबवेल ,के पानी से अपनी फसलों को बचाने में जुटे हुए हैं ।किसान गबू पटेल , पुरषोत्तम पाटील, मोतिया सिंधिया, राजु पाटील , ने बताया की फसले सूखने की कगार पर है ।

पौध रोपण के साथ नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाने दिलाया संकल्प

समय जगत, उचेहरा । नगर परिषद के नवीन कार्यालय भवन में अमृत हरित महाभियान के तहत प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री नागौद विधायक नागेन्द्र सिंह जू देव के मुख्य आतिथ्य में एक हजार एक सौ पौधों (1100) का रोपण कर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया ।इस दरमियान निकाय अध्यक्ष सहित नगर के पार्षदगण ,समाजसेवियों ने सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के तहत आम जन से अपील की है कि कचड़ा कूड़ादान में ही फेंकें ।जिससे नगर स्वच्छ और सुंदर दिखे ।जिसके कारण असमय होने वाली बीमारियों से छुटकारा मिल सके , नगर को सुंदर और स्वच्छ बनाने का संकल्प भी दिलाया गया ।अमृत हरित महाभियान के तहत नगर में 11 हजार पौधों को रोपित करने का लक्ष्य रखा है ।आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश शासन के पूर्व मंत्र विधायक नागेन्द्र सिंह जू देव रहे जबकि मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह , समाजसेवी बद्री प्रसाद ताम्रकार मंचासीन रहे ,विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पौधारोपण प्रभारी विजय तिवारी रहे ।अध्यक्षता निकाय अध्यक्ष निरजंन प्रजापति ने की। निकाय द्वारा स्वागत उपरांत श्रीफल शाल भेंट कर सम्मान किया गया।

सिटी मॉल के सामने चाकूबाजी के आरोपी हुए गिरफ्तार

पुरानी रंजिश के चलते वारदात को दिया अंजाम , चाकू एवं स्कूटी जप्त

समय जगत, कटनी। पुरानी रंजिश के चलते सिटी मॉल के सामने चाकूबाजी की वारदात को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार किया है और आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू एवं स्कूटी बरामद करते हुए माननीय न्यायालय के आदेश पर आरोपियों को जेल भेज दिया है। कोतवाली टीआई राखी पांडे ने बताया कि 15 जुलाई की रात 08.45 बजे बरही रोड स्थित सिटी मॉल के सामने पुरानी रंजिश को लेकर चाकूबाजी की एक वारदात हो गई थी। शिवनगर निवासी दीपक टीपा अपने भाई कुलदीप टीपा तथा मित्र श्रीमौर्य एवं यश चौहान के साथ सिटी मॉल पंकज पैलेस के सामने सड़क पार कर रहा था। तभी हेमंत उर्फ टुंईया निषाद अपने साथी सागर निषाद के साथ वहां पहुंचा और पुरानी रंजिश के चलते गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर सागर निषाद ने दीपक के दोनों हाथ पकड़ लिए, जबकि हेमंत उर्फ टुंईया ने उसके साथ मारपीट की। बीच बचाव करने आए कुलदीप टीपा पर हेमंत ने जान से मारने की नीयत से चाकू से पेट पर वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए हेमंत निषाद उर्फ टुंईया पिता विजय निषाद एवं सागर निषाद पिता राजाराम निषाद दोनों निवासी आधारकाप को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू एवं स्कूटी जप्त की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी राखी पाण्डेय ने बताया कि दोनों आरोपियों ने पुरानी रंजिश के चलते दीपक टीपा एवं उसके भाई कुलदीप टीपा के साथ मारपीट कर चाकू से जानलेवा हमला किया। जांच में पाया गया कि दोनों आरोपी आदतन अपराधी हैं। आरोपी हेमंत उर्फ टुंईया निषाद के विरुद्ध कोतवाली एवं कुठला में पूर्व से 5 आपराधिक प्रकरण, जबकि आरोपी सागर निषाद के विरुद्ध कोतवाली, कुठला एवं एनकेजे में पूर्व से 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

इनकी रही सराहनीय भूमिका: आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, खिरहनी चौकी प्रभारी किशोर द्विवेदी, एएसआई रामेश्वर प्रसाद पटेल, एएसआई विजय गिरी, प्रधान आरक्षक सुनील सिंह, रामपाल बागरी, अनिल सेंगर, वीरेन्द्र सिंह, वीरेन्द्र तिवारी, आरक्षक अजय प्रताप सिंह, दीपक तिवारी, प्रवीण सिंह एवं विवेक मिश्रा की सराहनीय एवं महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एसपी बंगले के सामने दो बाइकों की भिड़ंत

समय जगत, विदिशा। सिविल लाइंस क्षेत्र तेजी से दुर्घटना संभावित मार्ग के रूप में उभर रहा है। शहर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील क्षेत्रों में शामिल इस मार्ग पर वाहनों की तेज रफ्तार लोगों की चिंता का कारण बन गई है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शहरी क्षेत्र होने के बावजूद निर्धारित गति सीमा का प्रभावी पालन नहीं कराया जा रहा, जिससे हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसी मार्ग पर जिला एवं सत्र न्यायालय, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक के शासकीय आवास, सम्राट अशोक अभियांत्रिकी संस्थान (एसएटीआई), साकेत शिशु रंजन विद्यालय, ऑडिटोरियम, सर्किट हाउस तथा कई विभागीय कार्यालय स्थित हैं। प्रतिदिन यहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अधिवक्ता, अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिकों का आवागमन रहता है। शुक्रवार को एसपी बंगले के सामने दो मोटर साइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार बाइक पर स्कूली छात्र सवार थे। घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर पहले भी कई सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के कारण इसे अब लोग एक्सीडेंट जोन के रूप में पहचानने लगे हैं। न्यायालय परिसर और ओवर ब्रिज के आसपास अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़े वाहन तथा तेज रफ्तार यातायात दुर्घटनाओं का जोखिम और बढ़ा रहे हैं। नागरिकों ने दुर्गा नगर चौराहा, चिरंजीवी हॉस्पिटल तिराहा से लेकर पीतल चौराहा तक गति सीमा का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने, चेतावनी संकेतक लगाने तथा नियमित यातायात निगरानी बढ़ाने की मांग की।

दिवंगत आरक्षक के परिवार को स्टेट बैंक द्वारा एक करोड़ का चेक किया गया प्रदान

समय जगत, पन्ना। मध्य प्रदेश पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक के मध्य संपादित पुलिस सैलरी पैकेज एमओयू के अंतर्गत ड्यूटी के दौरान दिवंगत हुए आरक्षक अजय भास्कर के परिजनों को एक करोड़ की बीमा राशि का चेक प्रदान किया गया। मध्य प्रदेश पुलिस एवं भारतीय स्टेट बैंक के मध्य हुए इस एमओयू के अनुसार, जिन पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का वेतन खाता एसबीआई के पुलिस सैलरी पैकेज के अंतर्गत संचालित है, उन्हें निर्धारित शर्तों के अनुसार दुर्घटना अथवा ड्यूटी के दौरान मृत्यु जैसी परिस्थितियों में विशेष बीमा एवं अन्य बैंकिंग सुविधाओं का लाभ प्रदान किया जाता है। इसी प्रावधान के तहत दिवंगत आरक्षक अजय भास्कर के परिजनों को एक करोड़ की बीमा राशि स्वीकृत की गई। यह बीमा चेक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पन्ना सुश्री वंदना सिंह चौहान एवं भारतीय स्टेट बैंक प्रबंधक अमित सोनी एवं अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से दिवंगत के परिजनों को सौंपा गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना सिंह चौहान ने दिवंगत आरक्षक अजय भास्कर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कल्याण के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। एसबीआई के साथ किया गया पुलिस सैलरी पैकेज एमओयू भी ऐसी ही एक महत्वपूर्ण पहल है, जो कठिन समय में पुलिस परिवारों को आर्थिक सुरक्षा एवं संबल प्रदान करता है। भारतीय स्टेट बैंक के अधिकारियों ने बताया कि पुलिस सैलरी पैकेज का उद्देश्य पुलिस कर्मियों एवं उनके परिवारों को आकस्मिक परिस्थितियों में वित्तीय सुरक्षा उपलब्ध कराना है तथा यह योजना पुलिस बल के कल्याण के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है।

सच्ची श्रद्धा और विश्वास से भगवान सदैव अपने भक्तों की करते हैं रक्षा :कथा व्यास महाराज

तीसरे दिन वामन अवतार एवं प्रहलाद चरित्र का वर्णन सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

समय जगत, दमोह। नगर के धरमपुरा वार्ड में आयोजित हो रही श्रीमद भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत 17 जुलाई को कथा के तीसरे दिन भक्ति, श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित कर रहे हैं। इस अवसर पर बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कथावाचक कमलेश्वरानंद महाराज द्वारा राजा परीक्षित के श्राप, भगवान वामन अवतार एवं भक्त प्रह्लाद के चरित्र का अत्यंत विस्तार और भावपूर्ण ढंग से वर्णन किया गया। कथा के दौरान बताया गया कि किस प्रकार राजा परीक्षित को श्राप मिला और यह प्रसंग मानव जीवन में समय के महत्व और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कथावाचक महाराज ने भगवान विष्णु के वामन अवतार का वर्णन करते हुए कहा कि जब दानवीर राजा बलि के अहंकार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना हेतु भगवान ने वामन रूप धारण किया। तीन पग भूमि मांगकर भगवान ने संपूर्ण ब्रह्मांड को अपने चरणों में समेट लिया। यह प्रसंग त्याग, दान और समर्पण की भावना को दर्शाता है। कथा में भक्त प्रह्लाद के जीवन का वर्णन करते हुए बताया गया कि विपरीत परिस्थितियों और अत्याचारों के बावजूद उन्होंने भगवान के प्रति अपनी भक्ति नहीं छोड़ी। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास से भगवान सदैव अपने भक्तों की रक्षा करते हैं। कथा के दौरान पूरा वातावरण भक्ति रस से सराबोर रहा। मुख्य श्रोता श्रीमती लक्ष्मीबाई नन्ने भाई बरदिया सहित श्रद्धालु जनों ने भजन-कीर्तन में लीन होकर भगवान के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना रहे थे।

कोतवाली पुलिस ने तिरुपति गार्डन चोरी का 24 घंटे में किया खुलासा

दो महिला सहित तीन आरोपी गिरफ्तार, चोरी का सामान बरामद

विदिशा। थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए तिरुपति गार्डन में हुई चोरी की घटना का सफल खुलासा कर दो महिला एवं एक पुरुष आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गया लगभग 10,000 मूल्य का लोहे का एंगल बरामद किया है। बताया गया कि दिनांक 16 जुलाई को फरियादी अंकित दुबे संचालक तिरुपति गार्डन विदिशा द्वारा थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि अज्ञात महिलाओं द्वारा गार्डन परिसर से लोहे के एंगल, मोटर एवं केबल चोरी कर लिए गए हैं। शिकायत पर थाना कोतवाली में प्रकरण क्रमांक 446/2026 अंतर्गत धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो महिलाएं चोरी का सामान कबाड़ की दुकान पर बेचने पहुंची हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर दोनों महिलाओं शिवानी पत्नी सोनू आदिवासी उम्र 27 वर्ष निवासी जतरापुरा विदिशा, फूलवती पत्नी शहंशाह पारदी उम्र 35 वर्ष निवासी जतरापुरा विदिशा एवं एक पुरुष आरोपी हमजा पिता अली हुसैन उम्र 18 वर्ष निवासी रंगईपुरा विदिशा।को पकड़ लिया। पूछताछ एवं तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी गया मशरूका बरामद कर लिया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे एवं नगर पुलिस अधीक्षक अतुल सिंह के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी कोतवाली के नेतृत्व में संपन्न हुई। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी आनंद राज, सहायक उप निरीक्षक राम मनोहर, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र कटियार, आरक्षक भूपेंद्र कुर्मी, राघवेंद्र सिकरवार, शिशुपाल सिंह दांगी एवं नीलेश धाकड़ की भूमिका रही।

सूने घर में चोरों ने दिया चोरी को अंजाम

समय जगत, विदिशा। शुक्रवार को सिविल लाइन थाना अंतर्गत आने वाले बंटी नगर सांवरिया सेठ कॉलोनी में एक सूने घर पर अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। परिवार के लोग सागर में जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा में गए थे। जब सुबह घर आकर देखा तो ताले टूटे पड़े हुए थे और घर से कीमती सामान चोरी हो गया था। इस मामले की जानकारी सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई और पुलिस द्वारा जांच पड़ताल शुरू कर दी गई है। सांवरिया सेठ कॉलोनी निवासी परमानंद और राजेश जाटव ने बताया कि वह परिवार के साथ सागर में भगवान जगदीश स्वामी की रथ यात्रा में शामिल होने गए थे। शुक्रवार को सुबह वह 5 बजे जब वापस अपने घर पहुंचे तो देखा कि घर के ताले टूटे पड़े हुए हैं। इस मामले की तुरंत सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर में रखे हुए 16 हजार रुपए नगद, चांदी की पायल, बच्ची की सोने की बाली और एक जोड़ी सोने की झुमकी पर हाथ साफ कर दिया। सिविल लाइन थाने से पुलिस और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट टीम आई थी। उन्होंने कहा कि वह मोटर साइकिल सुधारने का कार्य करते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं। 6 महीने पहले ही हमने घर बनाया था। उन्होंने बताया कि अज्ञात चोरों द्वारा घर में घुसकर पूरा सामान की जांच पड़ताल की गई और सामान इधर-उधर फेंक कर चोर कीमती सामान लेकर रफू चक्कर हो गए। वहीं सिविल लाइन थाने से मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू की गई है। पुलिस के अनुसार जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सब नागरिक समान
सबको सम्मान

समानता और न्याय की
भावना को समर्पित

मध्यप्रदेश
मंत्रिपरिषद् बैठक

अध्यक्षता

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

19 जुलाई 2026

जगदीशपुर, जिला भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार सभी वर्गों के साथ संतुलन बनाते हुए समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। प्रदेश की जनहितैषी सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

समान नागरिक संहिता

सभी जाति, धर्म या वर्ग के नागरिकों के लिए एक समान कानून सुनिश्चित होंगे

सभी पारंपरिक सांस्कृतिक विविधताएं, धार्मिक रीति-रिवाज पूरी तरह सुरक्षित होंगे

विवाह, तलाक, भरणपोषण, उत्तराधिकार जैसे मामलों में अब सभी को एक समान कानूनी सुरक्षा मिलेगी

जुबानी, एकतरफा और अनौपचारिक तलाक पूरी तरह गैर-कानूनी और दंडनीय होंगे

बहुविवाह पर पूरी तरह रोक एवं विवाह और तलाक पर पंजीयन अनिवार्य होगा

लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य

माता-पिता की वैवाहिक स्थिति से परे सामान्य बच्चों की तरह जैविक, दत्तक, सेरोगेसी या एआरटी से जन्मे बच्चों को समान कानूनी मान्यता

जनजातीय संस्कृति और जीवन शैली का सम्मान करते हुए प्रदेश की भील, गोंड, कोरकू, बैगा, सहरिया और भारिया जैसी जनजातियों पर यह कानून लागू नहीं होगा

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026 D-11063/26 मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी/2026

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, भोपाल 462011 से मुद्रित कर जी-1 गोयल निकेत अपार्टमेंट प्रेस कॉम्प्लेक्स जोन-1 एमपी नगर भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। पिन नं. 462011, संपादक **अभिनव त्रिपाठी।**
RNI-MPHIN/2004/13180 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। **फोन :** 0755-4700402, ई-मेलः dainiksamayjagat@gmail.com

जस्टिस अहलुवालिया के मुख्यातिथ्य में आयोजित किया गया कार्यक्रम

समय जगत, गुना। एक जज के लिए कनविक्शन और एक्वाइटल ज्यादा मायने नहीं रखता, मायने रखता है कि क्या हम न्याय कर पाए। न्याय की परिभाषा हमे किसी किताब में मिलेगी नहीं। सच के जितने ज्यादा नजदीक पहुंचा जा सके, वही न्याय है। यह बात मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ग्वालियर बेंच के प्रशासनिक जज जस्टिस जीएस अहलूवालिया ने गुना में आयोजित डिजिटल रिकॉर्ड रूम मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कही। कार्यक्रम में पोर्टफोलियो जज जस्टिस अनुराधा शुक्ला विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, स्क्वहितिका वासल, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपनारायण सोलंकी, सचिव श्यामसुंदर लिटौरिया मंचसीन रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर हुई। इसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्बोधन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अमिताभ मिश्र ने दिया। उन्होंने डिजिटल रिकॉर्ड रूम मैनेजमेंट सिस्टम की जानकारी दी। बताया

कि इसकी भूमिका कैसे बनी और आज उसकी शुरुआत हो रही है। उन्होंने कहा कि ही सकता है इसमें कुछ कमियां हों, जिन्हें आगे ठीक कर लिया जाएगा। तीनों अंग मिलकर काम कर रहे स्क्वहितिका वासल ने कहा कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बधाई के पात्र हैं कि इस नई व्यवस्था की शुरुआत की। पुलिस के हिसाब से गुना जिला काफी चैलेंजिंग है। इसलिए न्यायपालिका, प्रशासन और पुलिस के बीच लगातार चर्चा और बातचीत होती है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रमुख कार्यों को रेखांकित करना चाहती हूं। कंजर और पारदी डेरों के बीच हम निरंतर जा रहे हैं और उनके सुधार, उन्हें मुख्यधारा ने जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ इसमें लगे हुए हैं और उम्मीद है कि जल्द ही सुधार होंगे। ज्यूडिशियरी द्वारा पुलिस की ट्रेनिंग भी ही रही है। विवेचना में कुछ कमी होती है, तो न्यायपालिका ट्रेनिंग में उन्हें सुधार के सुझाव देती है। हम आलोचना को बहुत पॉजिटिव तरीके से लेते हैं। कई मामलों में त्वरित निर्णय भी हुए हैं। कलेक्टर बोले- कई नवाचार किए लेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने कहा कि इस विशेष अवसर पर आपका हम सब के बीच उपस्थित होना गौरव का विषय है। गुना इस बात का प्रतीक रहा है कि जब ये तीनों समन्वय के साथ आगे बढ़ते हैं तो उसके सकारात्मक परिणाम अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचते हैं। DRMS के इस सिस्टम की तरह रेवेन्यू विभाग ने भी रिकॉड को डिजिटल करना शुरू कर दिया है। तीसरे चरण में गुना में ये शुरू होने वाला है। आने वाले समय की ये मांग भी है। सभी को इसका लाभ मिलेगा। कलेक्टर ने कहा कि हम लोगों ने गुना जिले में ज्यूडिशियरी, प्रशासन और पुलिस के संयुक्त प्रयासों से कंजर और पारदी लोगों के बीच जाकर कार्यशालाएं की हैं। अभी तक तीन हो चुकी हैं। इनमें न केवल उनकी समस्याएं सुनते हैं, बल्कि उनके समाधान की ओर भी जाते हैं। इन दोनों समाजों के लोगों को हम विकल्प दे रहे हैं - अपराध या विकास। अभी ये शुरुआत है।

मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उत्पादन प्रक्रिया तत्कालबंद करने का आदेश हुआ जारी

समय जगत, सिंगरौली। जिला सिंगरौली के देवसर तहसील अंतर्गत ग्राम गोंदवाली स्थित मेसर्स त्रिमुला इण्डस्ट्रीज लिमिटेड (स्पंज आयरन इकाई) द्वारा पर्यावरणीय मानकों के निरंतर उल्लंघन एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधी प्रावधानों के अनुपालन में गंभीर कमियां पाए जाने पर मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उद्योग की उत्पादन प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। साथ ही उद्योग का विद्युत प्रदाय तत्काल विच्छेदित किए जाने के आदेश भी संबंधित विद्युत वितरण कंपनी को दिए गए हैं।मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की धारा 31(क) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त आदेश जारी किया गया है। यह कार्रवाई जिला कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, सिंगरौली गौरव बैनल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं उद्योग के विरुद्ध उपलब्ध निरीक्षण प्रतिवेदनों के परीक्षण उपरांत की गई है। उल्लेखनीय है कि बोर्ड द्वारा उद्योग को दिनांक 15 जून 2026 को आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया गया था। उद्योग प्रबंधन द्वारा अनुपालन किए जाने का दावा प्रस्तुत किए जाने के उपरांत क्षेत्रीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सिंगरौली द्वारा दिनांक 9 जुलाई 2026 को स्थल निरीक्षण एवं भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण में उद्योग द्वारा प्रस्तुत अनुपालन दावा तथ्यों के अनुरूप नहीं पाया गया तथा विभिन्न पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन यथावत पाया गया। निरीक्षण के दौरान स्थापित इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रीसिपिटेटर एवं एयर कंप्रेसर का समुचित संचालन नहीं पाया गया, जिसके परिणामस्वरूप चिमनी से अत्यधिक धूलयुक्त उत्सर्जन हो रहा था। साथ ही ऑनलाइन कंटीन्यूअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम का डेटा असामान्य रूप से स्थिर पाया गया, जिससे प्रणाली की विश्वसनीयता एवं वास्तविक समय की निगरानी पर गंभीर प्रश्न उत्पन्न हुए। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि परिसर में स्थापित परिवेशीय वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन में PM-10 एवं PM-2.5 का स्तर निर्धारित मानकों से अधिक दर्ज किया गया। पावर प्लांट के समीप स्थापित वायु गुणवत्ता विश्लेषक संचालनरत नहीं पाया गया। इसके अतिरिक्त उद्योग परिसर में पर्यावरण प्रबंधन हेतु आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञ उपलब्ध नहीं थे, तकनीकी कर्मियों द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का उपयोग नहीं किया जा रहा था, फाइन आयरन डस्ट का खुले में भंडारण किया गया था, जिससे वर्षा जल के साथ इसके बहाव के प्रमाण मिले। साथ ही ठोस अपशिष्ट एवं खतरनाक अपशिष्ट का वैज्ञानिक एवं सुरक्षित प्रबंधन भी निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप नहीं पाया गया। उक्त तथ्यों के आधार पर मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उद्योग की उत्पादन प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से बंद रखने तथा विद्युत आपूर्ति विच्छेदित करने के निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि उद्योग को उत्पादन पुनः प्रारंभ करने की अनुमति तभी प्रदान की जाएगी, जब निरीक्षण में चिन्हित सभी कमियों का पूर्ण निराकरण कर पर्यावरणीय मानकों एवं वैधानिक प्रावधानों का संतोषजनक अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी गौरव बैनल ने कहा कि जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं जनस्वास्थ्य सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्यावरणीय मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों के विरुद्ध विधि सम्मत एवं प्रभावी कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने संबंधित विभागों को आदेशों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

क्षेत्र की हृदयस्थली घुरेल पहाड़ी पर सैकड़ों पौधों का किया गया रोपण

कदंब का पौधा रोपकर मंत्री पंवार ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

समय जगत, ब्यावरा। विधानसभा क्षेत्र की हृदयस्थली घुरेल पहाड़ी स्थित सुप्रसिद्ध तीर्थस्थल भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में प्रशासन और वन विभाग द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नारायण सिंह पंवार ने भगवान पशुपतिनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर पावन कदंब का पौधा रोप कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर मंत्री पंवार ने उपस्थित नागरिकों से अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का आग्रह करते हुए कहा कि ÷पेड़ लगाना केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित और समृद्ध भविष्य के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम 50 पौधे अवश्य लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प भी ले। उन्होंने कहा कि घुरेल पहाड़ी और

भगवान पशुपतिनाथ मंदिर परिसर ब्यावरा विधानसभा की आस्था और पहचान का केंद्र है। इस पवित्र स्थल का संरक्षण और सौंदर्यीकरण हम सभी का सामूहिक दायित्व है। भगवान पशुपतिनाथ की कृपा से यह क्षेत्र सदैव आस्था, सेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश देता रहा है। अपने संबोधन में मंत्री पंवार ने लगातार हो रही वन कटाई पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अंधाधुंध वृक्षों की कटाई और भूमिगत जल के अत्यधिक दोहन के कारण धरती का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। जंगलों के घटते क्षेत्रफल के कारण वर्षा का चक्र प्रभावित हो रहा है, भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और जल संकट की समस्या गंभीर होती जा रही है। यदि समय रहते प्रकृति के संरक्षण के लिए ठोस प्रयास नहीं किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने ÷नशे से दूरी है जरूरी÷ का संदेश देते हुए सभी उपस्थित लोगों को नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प भी दिलाया और कहा कि स्वस्थ समाज, स्वच्छ पर्यावरण और जागरूक नागरिक ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं। वन विभाग द्वारा आयोजित इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में लगभग 300 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव और जनपद सीईओ इच्छित गढ़पाले ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पेड़ों के महत्व पर संवाद किया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री बद्रीलाल यादव, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि जगदीश गुर्जर, भाजपा जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, जिला उपाध्यक्ष इंदर सिंह लववंशी, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाह, अमित शर्मा, माधवी परमार, मंडल अध्यक्ष श्याम सिंह चौहान, बलवान सिंह, दिनेश मीना, जिला पंचायत सीईओ इच्छित गढ़पाले, डीएफओ वैणी प्रसाद, एसडीएम गोविंद कुमार दुबे, एसडीओपी प्रकाश शर्मा सहित मंदिर समिति के सदस्य, संबंधित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

पुलिस द्वारा आरोपी को किया गया गिरफ्तार

समय जगत, ग्वालियर। शहर के माधौगंज क्षेत्र से एक गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने एक 8 साल की मासूम बच्ची के साथ गंदा काम करने के आरोप में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामला ग्वालियर के माधौगंज थाना क्षेत्र का है, जहाँ एक परिवार ने अपने ही एक करीबी पर 8 साल की बच्ची के साथ गलत कृत्य करने का आरोप लगाया है। ग्वालियर ए एस पी जयराज कुबेर ने हमारे संवाददाता को बताया कि घटना कुछ दिन पहले की है जब बच्ची घर के पास के क्षेत्र में गई थी।परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक 8 साल की बच्ची घर के पास दूध लेने के लिए गई हुई थी। आरोप है कि वह जब दूध देकर लौट रही थी तभी पड़ोस में रहने वाला बच्ची के पिता का 45 साल का चाचा जिसे बच्ची बड़े पापा कह कर बुलाती है और रिश्ते में दादा लगता है उसने उसे चॉकलेट देने का लालच देकर अपने कमरे में बुला लिया। इसके बाद मासूम के साथ गंदी हरकतें कीं। करीब 2 घंटे तक जब बच्ची की सगी दादी उसे तलाशते हुए पहुंची तो आरोपी ने बच्ची को छोड़ दिया और धमकाया कि अगर किसी को बताया तो उसे जान से मार देगा। जिस डर के कारण बच्ची ने घटना के बारे में किसी को कुछ नहीं बताया। दो दिन बाद जब मां बच्ची को नहला रही थी तो उसने बच्ची के प्राइवेट पार्ट्स पर घाव देखा और उसे मायूस देखा तो उससे पूछताछ की पूछने पर वह फूट-फूटकर रो पड़ी और पूरी घटना बता दी। बच्ची ने बताया कि बड़े पापा बहुत गंदे हैं। उन्होंने उसे गंदी जगह छुआ और गंदी हरकत की। मां ने इस घटना के बारे में अपने पति को बताया। पिता पहले आरोपी के घर गए और विरोध किया तो आरोपी ने फिर धमकाया। पीड़ित परिवार ने तुरंत स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और आरोपी को हिरासत में ले लिया है। आरोपी पर संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हुई कार्रवाई : 82 पेटी अवैध शराब व पिकअप वाहन जब्त, आरोपी किये गये गिरफ्तार

समय जगत, सिलवानी। रायसेन पुलिस द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सिलवानी थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 82 पेटी अवैध देशी एवं अंग्रेजी शराब तथा परिवहन में प्रयुक्त एक पिकअप वाहन जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक नायक के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी सिलवानी कुंवर सिंह मुकाती के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार, रात्रि में मुखबिर से सूचना मिली कि बम्होरी की ओर से गैरतगंज की तरफ एक बोलेरो पिकअप वाहन में दो व्यक्ति अवैध शराब का परिवहन कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना सिलवानी के सामने तिराहे पर वाहन चेकिंग शुरू की गई। इसी दौरान बजरंग चौराहा की ओर से आ रहे संदिग्ध पिकअप वाहन को घेराबंदी कर रोक लिया गया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 82 पेटियों में भरी देशी एवं अंग्रेजी शराब बरामद हुई। पुलिस ने कुल 735 लीटर अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 17 हजार रुपये है, तथा परिवहन में प्रयुक्त पिकअप वाहन, जिसकी कीमत लगभग 6 लाख रुपये आंकी गई है, जब्त कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू यादव (33 वर्ष) पिता राजू यादव तथा संजू कलावत (28 वर्ष) पिता सुरेश कलावत, दोनों निवासी ग्राम समनापुर कला, थाना गैरतगंज, जिला रायसेन, के रूप में हुई है।

चेकिंग के दौरान कई वाहन जप्तकर की गई चालानी कार्रवाई

झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशन में शनिवार सुबह जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती कृतिका मोहटा एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा जिले में स्कूली वाहनों की संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्कूली वाहनों एवं बच्चों के परिवहन में उपयोग किए जा रहे वाहनों की सघन जांच कर आवश्यक कार्रवाई की गई। संयुक्त टीम द्वारा जेल तिराहा पर जांच के दौरान कुल 3 वाहन जप्त किए गए। इनमें से लक्ष्य अकादमी स्कूल से संबंधित एक वाहन द्वारा आवश्यक परमिट के लिए आवेदन प्रस्तुत किए जाने पर नियमानुसार वाहन को रिलीज किया गया, जबकि शेष 2 निजी श्रेणी के वाहन नियमों के विपरीत संचालित पाए जाने पर जप्त किए गए। इसके पश्चात टीम ने सांदीपनि स्कूल, कल्याणपुरा का निरीक्षण

किया। यहां विद्यालय परिसर में कुल 5 स्कूल बसें खड़ी मिलीं। जांच के दौरान सभी बसों के दस्तावेज पूर्ण पाए गए तथा वाहनों की भौतिक स्थिति भी संतोषजनक एवं नियमानुसार पाई गई। संयुक्त दल द्वारा क्रिएटिव कॉन्वेंट स्कूल, कल्याणपुरा में निरीक्षण के दौरान ऐसे 5 वाहन पाए गए, जिन्हें विद्यार्थियों के अभिभावकों द्वारा निजी रूप से किराये पर लगाया गया था। जांच में सभी वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन किया जाना पाया गया, जिस पर संबंधित वाहनों को जप्त कर कार्रवाई की गई। इस दौरान विद्यालय संचालक श्री अरुण डामोर को निर्देशित किया गया कि विद्यालय आने-जाने वाले सभी वाहनों एवं उनके चालकों का संपूर्ण रिकॉर्ड संधारित करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि किसी भी वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों का परिवहन न हो।

एसडीएम सौरभ मिश्रा की भावभीनी विदाई के साथ नवागत एसडीएम प्रियंका भलावी का किया स्वागत

समय जगत, बेगमगंज। निवर्तमान एसडीएम सौरभ मिश्रा के जबलपुर स्थानांतरण पर शनिवार को भावभीनी विदाई तथा नवागत एसडीएम सुश्री प्रियंका भलावी के स्वागत में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में एसडीओपी सोनाली गुप्ता, थाना प्रभारी राजीव उइके, तहसीलदार प्रमोद उइके एवं सुल्तानगंज तहसीलदार देवेंद्र शुक्ला सहित राजस्व एवं निर्वाचन शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों की विशेष उपस्थिति रही। समारोह में राजस्व विभाग, निर्वाचन शाखा, सेमरी परियोजना, जेल, शिक्षा विभाग, कोटवार संघ, महाविद्यालयीन कर्मचारियों, अधिवक्ताओं, पत्रकारों सहित विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

मनावर में आज आयोजित होगी भगवान श्री जगन्नाथ की द्वितीय दिव्य एवं भव्य रथयात्रा

मनावर। धर्म, आस्था और सनातन संस्कृति के महापर्व भगवान श्री जगन्नाथ की द्वितीय भव्य रथयात्रा का आयोजन 19 जुलाई रविवार को मनावर नगर में हर्षोल्लास एवं भव्यता के साथ किया जाएगा। हरे कृष्णा टीम एवं सकल हिंदू समाज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर नगरभर में उत्साह का वातावरण है। आयोजन समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है तथा घर-घर संपर्क कर अधिक से अधिक लोगों से सहभागिता का आग्रह किया जा रहा है।

रथयात्रा का भव्य शुभारंभ: रथयात्रा का शुभारंभ दोपहर 3.30 बजे श्री बंकनाथ अटल दरबार मंदिर से वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना एवं मंगल आरती के साथ होगा। इसके पश्चात भगवान श्री जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र एवं बहन देवी सुभद्रा सुसज्जित एवं आकर्षक रथ में विराजमान होकर नगर भ्रमण करेंगे। भक्तों को भगवान के दिव्य दर्शन के साथ रथ की रस्सी खींचने का सौभाग्य प्राप्त होगा, जिसे सनातन परंपरा में अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है।

रथयात्रा के दौरान पूरा नगर भक्तिरस में डूबा नजर आएगा। ढोल-नगाड़ों की गूंज, भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन, पुष्पवर्षा एवं जय श्री जगन्नाथ के उद्घोष से वातावरण भक्तिमय हो उठेगा। नगर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाकर श्रद्धालु एवं सामाजिक संगठन भगवान की आरती उतारेंगे तथा पुष्पवर्षा कर रथयात्रा का स्वागत करेंगे। आयोजन समिति ने यात्रा को और अधिक अनुशासित एवं आकर्षक बनाने के लिए ड्रेस कोड भी निर्धारित किया है।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के तहत चतुर्थ दिवस पर 'मेरे जीवन में गुरु' पर निबंध प्रतियोगिता संपन्न

फतेहगढ़ (गुना)। राज्य शासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के दिशा-निर्देशानुसार, शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय फतेहगढ़ (गुना) में 15 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा कार्यक्रम के क्रम में चौथे दिन विद्यालय परिसर में एक अत्यंत गरिमामयी और उद्देश्यपूर्ण निबंध लेखन प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। आज की गतिविधि का मुख्य विषय ÷मेरे जीवन में गुरु÷ निर्धारित था, जिसमें कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने अत्यंत उत्साह और गौरव के साथ सहभागिता की। इस भव्य और प्रेरणास्पद आयोजन के कार्यक्रम प्रभारी वरिष्ठ शिक्षक जितेंद्र साहू एव प्रिंस पारीक हे। दोनों प्रभारियों के कुशल मार्गदर्शन और कुशल प्रबंधन में संपूर्ण प्रतियोगिता सुव्यवस्थित एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न हुई। प्रतियोगिता के दौरान छात्र-छात्राओं ने अपनी रचनात्मक एवं साहित्यिक क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सुंदर हस्तलेख में गुरु की महिमा, जीवन में उनके अद्वितीय स्थान तथा संस्कारों के बीजारोपण में शिक्षकों के योगदान पर अपने भावपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। संस्था के यशस्वी प्राचार्य भगवत प्रसाद ओझा ने इस अवसर पर उपस्थित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु केवल किताबी ज्ञान देने वाला माध्यम नहीं है, बल्कि वह छात्र के संपूर्ण व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माता होता है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। प्राचार्य जी ने विद्यार्थियों द्वारा लिखे गए निबंधों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। छात्र छात्राओं द्वारा बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया 1030 विद्यार्थियों ने गुरु पूर्णिमा पखवाड़े में सहभागी रहे हैं।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

समय जगत, मैहर। मध्य प्रदेश शासन एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत मैहर पुलिस द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा शिक्षा विभाग के सहयोग से संदीपनी विद्यालय, मैहर में एक विशाल जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करना था।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की प्रभारी मंत्री श्रीमती राधा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में, मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, जिला कलेक्टर श्रीमती विदिशा मुखर्जी तथा अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह ने की। अपने उद्बोधन में पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने अभियान की रूपरेखा, उद्देश्य एवं तीन वर्षीय कार्ययोजना की जानकारी देते हुए कहा कि नशे के विरुद्ध यह केवल पुलिस का अभियान नहीं, बल्कि पूरे समाज का जनआंदोलन है।